RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, बुधवार 06 मार्च, 2024 वर्षः-11 अंक - 308 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

सिंहस्थ-2028 को लेकर बड़ी तैयारी, सीएम मोहन यादव बोले

उज्जैन-इंदौर संभाग को धार्मिक-आध्यात्मिक सर्किट के रूप में विकसित किया जाए

27 मार्च से 27 मई 2028 तक होगा सिंहस्थ का महापर्व, मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सिंहस्थ-2028 के लिए पशुपतिनाथ मंदसौर, खंडवा स्थित दादा धूनी वाले, भादवामाता, नलखेड़ा, ओंकारेश्वर आदि तक सुगम आवागमन और उनके अधोसंरचना सुधार को सम्मिलित करते हुए उज्जैन-इंदौर संभाग को समग्र धार्मिक-आध्यात्मिक सर्किट के रूप में विकसित किया जाए। सिंहस्थ के लिए विकसित की जा रही व्यवस्थाओं में जनभागीदारी को भी प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सिंहस्थ-2028 की प्रस्तावित कार्ययोजना पर मंत्रालय में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा, जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना तथा अधिकारी उपस्थित थे।

क्षिप्रा नदी के घाटों का विस्तार और पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सिंहस्थ-2028 के लिए मेला क्षेत्र को सुव्यवस्थित रूप सेविकसित किया जाए। क्षिप्रा नदी के घाटों का विस्तार किया जाए ताकि बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालु सरलता से स्नान कर सकें। निजी वाहनों की संख्या बढ़ने के परिणामस्वरूप सड़क मार्ग से सिंहस्थ में आने वालों की संख्या बहुत अधिक होगी, अतः पर्याप्त पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। पिछले सिंहस्थ में आए श्रद्धालुओं की श्रृंखला के आधार पर आगामी सिंहस्थ में आगंतुकों की संख्या का अनुमान लगाकर उज्जैन पहुंचने वाले सभी मार्गों पर मूलभूत सुविधाओं सहित गेस्ट हाउस विकसित किए जाएं। उज्जैन शहर में बड़ी संख्या में बनें होटलों और धर्मशालाओं की व्यवस्था को भी सुदृढ़ किया जाए। इसके साथ ही उज्जैन से लगे ग्रामीण क्षेत्र में होमस्टे व्यवस्था को भी प्रोत्साहित किया जाए।

पूर्व सीएम शिवराज सिंह का 65वां जन्मदिन, रोपे 65 पौधे

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान अपने जीवन के 64 साल पूरे कर 65 वर्ष में प्रवेश कर रहे हैं। उनके जन्मदिन पर भोपाल में उनके सरकारी आवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव, बीजेपी के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा, मंत्री विश्वास सारंग, विधायक भगवानदास सबनानी ने बधाई दी। भोपाल के 74 बंगले स्थित पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के आवास पर कई लोग केक लेकर पहुंचे। पूर्व सीएम ने केक काटे और लोगों ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। मंगलवार सुबह पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल के स्मार्ट पार्क में पहुंचकर 65 पौधे रोपे। अलग-अलग जिलों से आए कार्यकर्ताओं बीजेपी नेताओं, कार्यकर्ताओं और महिलाओं ने उन्हें मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया। पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान विदिशा लोकसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनने के बाद आज पहली बार संसदीय क्षेत्र के दौरे पर रहेंगे।

जेल में लश्कर का खेल

कैदी बनाए जा रहे थे आतंकी

एनआईए की 17 जगह छापेमारी, जुलाई में दर्ज की थी एफआईआर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु की जेल में आतंकी बनाए जाने के खेल को लेकर एनआईए सात राज्यों में 17 ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। बता दें कि इस मामले की जांच एनआईए एक साल से कर रही है। लश्कर के आतंकी टी नसीर पर आरोप है कि वह बेंगलुरु सेंट्रल जेल के अंदर भी कैदियों को आतंकी बनाने में लगा हुआ था। इसके

अलावा बेंगलुरु कैफे ब्लास्ट मामले में भी एनआईए जांच में जुटी है। जानकारी के मुताबिक बेंगलुरु में कई जगहों पर एनआईए की रेड पड़ी। 17 लोकेशन पर अब भी सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बेंगलुरु ब्लास्ट के तार भी इस रैडिकलाइजेशन के रैकेट के साथ जुड़े हो सकते हैं।

हाईकोर्ट ने सीबीआई को दिया शेख शाहजहां का केस

- बंगाल सरकार से कहा-तुरंत हैंडओवर करिए, ईडी टीम पर हमले के केस में गिरफ्तार

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने मंगलवार को शेख शाहजहां का केस सीबीआई को ट्रांसफर कर दिया है। थोड़ी ही देर में शाहजहां को केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दिया गया। बंगाल सरकार के वकील ने हाईकोर्ट से अपील की कि इस आदेश पर 3 दिन स्टे की मांग की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने इससे इनकार कर दिया।

शेख को ईडी की टीम पर हमले के केस में 29 फरवरी को नॉर्थ 24 परगना के मीनाखान इलाके से गिरफ्तार किया गया था। वह 55 दिन से फरार था। फिलहाल वो अभी 10 दिन की पुलिस रिमांड पर है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने कहा कि इस केस से जुड़े सभी कागजात तुरंत पुलिस को सौंप दिए जाएं। 4.30 बजे शाहजहां को भी टीम को सौंप दिया जाए। 29 फरवरी को गिरफ्तारी के तुरंत बाद शेख शाहजहां के वकील जमानत के लिए हाईकोर्ट पहुंचे। कोर्ट ने कहा, उसे गिरफ्तार ही रहने दो। अगले 10 साल तक ये आदमी आपको बहुत व्यस्त रखेगा। आपको इस केस के अलावा कोई और चीज देखने का मौका नहीं मिलेगा। उसके खिलाफ 42 केस दर्ज हैं। वो फरार भी था। जो कुछ भी आपको चाहिए, आप सोमवार को आइए। हमारे पास उसके लिए कोई सहानुभूति नहीं है।

मालदीव के बाद नेपाल में सफल हुई चीन की चाल!

पीएम प्रचंड और ओली आए साथ, भारत समर्थक देउबा लगे किनारे

काठमांडू (एजेंसी)। मालदीव के बाद भारत के एक और पड़ोसी देश नेपाल में राजनीतिक घटनाक्रम अचानक से तेजी से बदलना शुरू हो गया है। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री केपी ओली के साथ नया गठबंधन बनाने का ऐलान किया है। इसके साथ ही प्रचंड और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा की पार्टी नेपाली कांग्रेस का 15 महीने पुराना गठबंधन टूट गया है। माना जा रहा है कि प्रचंड और देउबा की पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में खटास के बाद यह गठबंधन टूटा है। वहीं इसमें चीनी राजदूत की भी भूमिका की चर्चा है। इससे पहले चीन ने कई बार वामपंथी एकता पर जोर दिया था ताकि एक बार फिर से इस हिमालयी राष्ट्र में उसका प्रभाव बढ़ सके। देउबा को भारत समर्थक माना जाता है।

5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा आज से

भोपाल। कक्षा 5वीं और 8वीं की बोर्ड पैटर्न परीक्षा 6 मार्च से प्रारंभ हो रही हैं। राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी विद्यार्थियों के परीक्षा में सुलभ आवागमन के लिये उनके नजदीकी स्कूलों में ही लगभग 12 हजार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इन परीक्षा केन्द्रों पर स्कूलों की क्षमतानुसार विद्यार्थियों के लिए सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध रहें, इसका भी विशेष ध्यान रखा गया है। इन दोनों ही कक्षाओं की परीक्षाओं में सरकारी, निजी एवं मदरसों के लगभग 25 लाख 50 हजार से अधिक विद्यार्थी शामिल होंगे।

राहुल गांधी ने उज्जैन में किए बाबा महाकाल के दर्शन

गर्भगृह में जाने की अनुमति नहीं, शाजापुर में भाजपा नेता आलू देकर बोले-सोना बनाओ

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का मंगलवार को चौथा दिन था। वे उज्जैन पहुंचे। यहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन किए। फिर रोड शो किया। राहुल को महाकाल मंदिर के गर्भगृह में जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। शिव नवरात्रि की वजह से मंदिर समिति ने यह निर्णय लिया है। कहा गया है कि जिस वक्त राहुल दर्शन करने आए, वह श्रृंगार का समय होता है। इससे पहले शाजापुर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राहुल के सामने मोदी-मोदी के नारे और श्रीराम के जयकारे लगाए तो राहुल गाड़ी से उतरकर उनसे मिलने पहुंचे। एक भाजपा नेता और कुछ कार्यकर्ताओं ने राहुल को आलू देकर कहा- सोना बनाओ। राहुल बोले- धन्यवाद, अगली बार सोना लेकर आऊंगा। शाजापुर भाजपा नगर मंडल महामंत्री अंकित आचार्य ने बताया कि इधर से आलू डालो और उधर से सोना निकलेगा वाले वीडियो को देखकर हमने राहुल को आलू दिया था। हम राहुल के काफिले के सामने मोदी जिंदाबाद और जय श्रीराम के नारे लगा रहे थे। यह देख राहुल हमारे पास आए और हमने उन्हें आलू देकर कहा कि इसका सोना बना दीजिए, इस पर राहुल ने हमें धन्यवाद कहा कि अगली बार सोना लेकर आऊंगा। इस दौरान पूर्व नपा अध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, पार्षद मुकेश दुबे, भाजयुमो जिला मीडिया प्रभारी अशोक जादौन, पूर्व भाजपा जिला मीडिया प्रभारी उमेश टेलर मौजूद रहे।

ये चुनावी यात्रा नहीं विचारधारा की यात्रा है

भारत जोड़ो न्याय यात्रा चुनावी यात्रा नहीं रही। ये विचारधारा की यात्रा है। भाजपा और आरएसएस की विचारधारा के खिलाफ यात्रा है। इस तरह की यात्रा हम करते रहेंगे। अभी देर हुई है ये भी हम मानते हैं। चुनाव हम जीतेंगे-हारेंगे, लेकिन भारत जोड़ो यात्रा से एक नई शक्ति कार्यकर्ताओं और नेताओं में आती है। ये आखिरी यात्रा नहीं है। हम 2024 का लोकसभा चुनाव जीतेंगे और यात्रा निकालेंगे। जयराम ने कहा- प्रधानमंत्री एक सम्मानीय पद है। सम्मान डिमांड नहीं किया जाता, सम्मान कमाया जाता है। हम पद का सम्मान करते हैं। प्रधानमंत्री जो बोलते हैं और जो सच्चाई है उसमें जमीन-आसमान का फर्क है। जो अपने आप को 140 करोड़ भारतीयों का प्रमुख समझते हैं, वो क्या ऐसा व्यवहार करेंगे। किसानों पर ड्रोन से आंसू गैस के गोले छोड़े जा रहे हैं। एक तरफ चंदादाता का सम्मान और दूसरी तरफ अन्नदाता का अपमान। कथनी और करनी एक जैसी होनी चाहिए।

छग चीफ बैज के खिलाफ बेटे के लिए दिल्ली पहुंचे कवासी

रायपुर (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के टिकट वितरण से पहले ही छत्तीसगढ़ कांग्रेस में घमासान शुरू हो गई है। प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के खिलाफ पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने मोर्चा खोल दिया है। वे बेटे और समर्थकों के साथ दिल्ली पहुंच गए और पार्टी आलाकमान के सामने ही बैज को टिकट नहीं दिए जाने की मांग की। दीपक बैज

बस्तर से सांसद हैं। इस बार दीपक बैज के साथ ही कवासी लखमा और हरीश लखमा का नाम लोकसभा टिकट के लिए सबसे ज्यादा चर्चा में है। कहा जा रहा है कि कवासी लखमा और समर्थकों की इच्छा है कि टिकट हरीश को ही मिले। कवासी लखमा और उनके बेटे हरीश लखमा के साथ ही विक्रम मंडावी, संतराम नेताम, मिथलेश स्वर्णकार, राजीव शर्मा, राजमन बेंजाम समेत कुछ जिला अध्यक्ष और जिला पंचायत सदस्य भी दिल्ली पहुंचे हैं।

बगैर ट्रैक्टर-ट्रॉली नहीं जाएंगे दिल्ली, रेल रोकने की भी तैयारी

पंजाब और हरियाणा के किसानों ने सरकार को बता दिया प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। किसान एक बार फिर दिल्ली कूच की तैयारी कर रहे हैं। बुधवार को वे फिर सीमाओं पर सक्रिय हो सकते हैं। हालांकि, किसानों नेता साफ इनकार कर रहे हैं कि वे बगैर ट्रैक्टर और ट्रॉलियों के आगे नहीं बढ़ेंगे। दरअसल, सरकार ने किसानों को बस या ट्रेन का इस्तेमाल करने का सुझाव दिया था। किसान 10 मार्च को रेलगाड़ियां रोकने की भी योजना बना रहे हैं। समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा, हम किसान यहीं (खनौरी और शंभू सीमा) रहेंगे, हम अपने ट्रैक्टरों और ट्रॉलियों के बिना आगे नहीं बढ़ेंगे... हमने दिल्ली की ओर मार्च करने का अपना फैसला नहीं बदला है, हम तब तक इंतजार करेंगे जब तक सरकार सड़कें फिर से नहीं खोल देती। हमने अन्य राज्यों के किसानों से 6 मार्च को रेलवे, बस या किसी अन्य वाहन का उपयोग करके दिल्ली की ओर मार्च करने के लिए कहा है...। किसान रेल रोकने की भी तैयारी कर रहे हैं।

सीएम बोले-राहुल गांधी का उद्देश्य कभी पूरा नहीं होगा

पीएससी सिलेक्टेड ऑफीसर्स की ट्रेनिंग में कहा-हमें हर 5 साल में परीक्षा देनी पड़ती है

भोपाल। मप्र लोक सेवा आयोग से राज्य सिविल सेवा के लिए चयनित अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशासन अकादमी में शुरू हुआ। सीएम डॉ मोहन यादव इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा- मैं यहां जिनको संबोधित कर रहा हूँ, वो सब भविष्य के बड़े अधिकारी बनने की पौध है। उस नाते उस पौध से बात अगर करूंगा, तो मैं भविष्य की संभावनाओं की शुभकामनाओं देता जाऊं। आप सबका जीवन भी उसी तरह बने जैसा चंदन होता है। जितना घिसा जाए, उतनी सुगंध बढ़ती जाए, ये मैं आपको शुभकामनाएं देता हूं। हम सब जानते है कि परमात्मा की दया से, कई जन्मों के पुण्य के बाद हमको अच्छे अधिकार संपन्न व्यक्तित्व

का मौका दिया है, और आप तो कई मामलों में भाग्यशाली हो। एक बार अधिकारी बने हैं अगर सही चलोगे तो, जिंदगी भर रहोगे। हम लोगों को तो हर 5 साल में परीक्षा देनी पड़ती है। आज मैं आपको ज्ञान-विज्ञान की सारी बातें कर रहा हूं।

जीवन में हर कदम पर प्रशिक्षणों से गुजरना पड़ेगा

सीएम ने अधिकारियों के ट्रेनिंग प्रोग्राम के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए कहा- शिक्षण और प्रशिक्षण में जो अंतर होता है। वो आप सब जानते हैं। इस परीक्षा के पास होने के पहले भी आपने एक परीक्षा दी है, अब दोबारा पलट के सर्विस में उस परीक्षा की तो आवश्यता नहीं होगी। लेकिन कदम-कदम पर आपको ऐसे कई प्रशिक्षणों के दौर से निकलते रहना पड़ेगा। और उन दौरों के माध्यम से अपने आप को निखारना पड़ेगा। जंगल में जब टाइगर जाता है, तो टाइगर अपना खुद का सिंहावलोकन करता है। वो अपने आप का खुद का, जब आत्मविश्वास से भरपूर होकर निकलता है, सिंहावलोकन बड़ा अच्छा शब्द है जो हम सबके जीवन में काम का आता है। हमारी ऊर्जा, हमारा विंध्य, हमारी क्षमता, हमारी योग्यता अगर हम उसके अंदर झांक कर देखेंगे, तो वो भी अनंत सागर की तरह है। उसकी गहराई की तरह नापना, ये भी एक बड़ी संभावना है।

रिश्वतखोरी का आरोप लगाने से नहीं रोक पाएंगी महुआ

हाईकोर्ट ने टीएमसी नेता को दिया तगड़ा झटका, खारिज की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट से टीएमसी नेता महुआ मोइत्रा को एक बार फिर झटका लगा है। अदालत ने उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें महुआ पर रिश्वत के आरोप लगाने से रोकने की मांग की गई थी। तृणमूल कांग्रेस की लीडर ने गुहार लगाई थी कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे और वकील जय अनंत देहाद्राई उनके ऊपर ऐसे आरोप लगाना बंद करें। साथ ही ऐसी कोई भी सामग्री बनाने, पोस्ट करने, पब्लिश करने, अपलोड करने या बांटने से रोकने का निर्देश दिया जाए।

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, बुधवार 06 मार्च, 2024

संक्षिप्त समाचार

ईकेवायसी का सत्यापन कराने के निर्देश

विदिशा , निप्र। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने जिले के समस्त जनपदो व निकायो के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि समग्र आईडी के तहत ईकेवायसी का सत्यापन कार्य शीघ्रतिशीघ्र शत प्रतिशत कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने ग्राम पंचायत के सचिवो, जीआरएस तथा निकायो में वार्ड प्रभारियों के माध्यम से समग्र ईकेवायसी का सत्यापन कराना सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री भार्गव ने बताया कि समग्र के तहत जिले की जनपदो व निकायो में कुल 6386 ईकेवायसी लंबित है। इस कारण से संबंधित हितग्राहियों को समय पर योजनाओं, पेंशन सहित अन्य हितलाभ प्राप्ति में विलम्बता होती है अतः ईकेवायसी संबंधी कार्य को विशेष रूचि लेकर शीघ्रतिशीघ्र पूरा करें। गौरतलब हो कि सर्वाधिक ईकेवायसी नगरपालिका गंजबासौदा में 1798 और सबसे कम सिरोंज नगरपालिका में दस है। इसके अलावा विदिशा नगरपालिका में 888, नगर परिषद कुरवाई में 32, लटेरी में 28 तथा शमशाबाद में 20 ईकेवायसी लंबित है जबकि जनपद पंचायतवार लंबित ईकेवायसी तदानुसार बासौदा में 613, ग्यारसपुर में 295, कुरवाई में 625, लटेरी में 483, नटेरन में 549, सिरोंज मे 474 तथा विदिशा जनपद पंचायत में 571 ईकेवायसी लंबित है।

कैम्पस एम्बेसडर की कार्यशाला छह को

विदिशा , निप्र। लोकसभा निर्वाचन 2023 के लिए नियुक्त होने वाले कैम्पस एम्बेसडर की कार्यशाला बुधवार छह मार्च को आयोजित की गई है। जिला पंचायत सीईओ एवं स्वीप के जिला नोडल अधिकारी डॉ योगेश भरसट के द्वारा जारी उक्त आदेश पत्र में राजमाता विजयाराजे सिंधिया शासकीय कन्या (अग्रणी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय विदिशा के प्राचार्य को कैम्पस एम्बेसडर की कार्यशाला एनसीसी, एनएसएस, स्काउट के सहभागियों के साथ आयोजित करने के निर्देश प्रसारित किए गए है। कार्यशाला के लिए नवीन मतदाता पंजीयन, ईएलसी क्लब का गठन, युवा मतदाता उदासीनता व नगरीय मतदाता उदासीनता, उपरोक्त विषयो पर केन्द्रित कार्यशाला में मतदाता जागरूकता के संदेशो का अधिक से अधिक सम्प्रेषण करने के कार्यो को मूर्तरूप दिया जाएगा ताकि जिले की समस्त पांचो विधानसभाओं के कैम्पस एम्बेसडर के द्वारा एकरूपता संबंधी निर्वाचन जनजागरूकता स्वीप गतिविधियों का संचालन हो सकें।

समर्थन मूल्य पर गेंहू हेतु छह तक तथा चना, मसूर, सरसो के लिए दस मार्च तक पंजीयन

विदिशा , निप्र। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने जिले के कृषकों से आव्हान किया है कि वे समर्थन मूल्य पर फसल विक्रय के लिए निर्धारित पंजीयन तिथि के पूर्व अपना पंजीयन कराना सुनिश्चित करे। इसके लिए 123 उपार्जन समितियों पर निःशुल्क पंजीयन किया जा रहा है इसके अलावा निर्धारित पोर्टल पर मोबाइल से पंजीयन कराया जा सकता है। वहीं सीएससी सहित अन्य प्लेटफार्मो के माध्यम से पंजीयन कराने हेतु शुल्क देय होगी। कलेक्टर श्री भार्गव ने बताया कि शासन द्वारा गेंहू के पंजीयन हेतु अब अंतिम तिथि छह मार्च नियत की गई है वहीं चना, मसूर, सरसो के लिए पूर्व निर्धारित अंतिम तिथि दस मार्च है।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया जायेगा

सीहोर , निप्र। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस विश्व स्तर पर प्रतिवर्ष 08 मार्च को मनाया जाता है। प्रदेश, देश एवं विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति सम्मान, प्रशंसा और प्रेम प्रकट करते हुए, महिलाओं के आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों एवं कठिनाइयों की सापेक्षता के उपलक्ष्य में उत्सव के तौर पर महिला दिवस मनाया जाता है। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं के सशक्तिकरण का प्रतीक है। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 08 मार्च के अवसर पर शासन स्तर से महिला एवं बाल विकास अमले यथा सेक्टर महिला पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर के परीक्षण एवं उपचार के लिए समर्पित करने का निर्णय लिया गया है।

टीएल बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने की विभागीय गतिविधियों और सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा

सीहोर , निप्र। जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित टीएल बैठक में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह द्वारा समय सीमा वाले शासकीय पत्रों, सीएम हेल्पलाइन तथा विभागीय गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए । कलेक्टर श्री सिंह ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों तथा उनके निराकरण की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को जल्द से जल्द शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण कराने के निर्देश दिए । कलेक्टर श्री सिंह ने विभिन्न विभागों के विकास और निर्माण कार्यो की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि काम में तेजी लाई जाए और गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा किया जाए । कलेक्टर श्री सिंह ने जल जीवन मिशन की समीक्षा के दौरान कहा कि जो परियोजना पूर्ण हों गई है, उनका सत्यापन कराकर प्रारंभ करने की कार्यवाही की जाए । कलेक्टर श्री सिंह ने हितग्राही मूलक योजनाएं संचालित करने वाले सभी विभागों के अधिक से अधिक स्वरोजगार के प्रकरण स्वीकृत कराकर ऋण वितरित कराने के निर्देश दिए । बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री आशीष तिवारी, सहायक कलेक्टर श्री अर्पित गुप्ता, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर श्री सतीश राय, सुश्री वंदना राजपूत सहित सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे ।

अधिकारी-कर्मचारियों का नाम जिले की मतदाता सूची हो

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिले में पदस्थ सभी विभागों के अधिकारियों-कर्मचारियों को अपना नाम जिले की मतदाता सूची में दर्ज कराने के लिए कहा । उन्होंने जिला अधिकारियों को अपने विभाग के सभी कर्मचारियों का नाम दर्ज कराना सुनिश्चित करने के लिए कहा । इसके साथ ही लोकसभा चुनाव के लिए मतदान दलों के गठन के लिए अधिकारी कर्मचारियों की जानकारी अद्यतन कराने के निर्देश दिए ।

राजस्व अभियान की समीक्षा

कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने जिले में संचालित राजस्व महाअभियान की तहसीलवार समीक्षा करते हुए कहा कि कई घटाकों में जिला अव्वल है । जिन बिन्दुओं में गति अपेक्षाकृत कम है उसमें तेजी लाने के लिए एसडीएम , तहसीलदार सहित राजस्व अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए । उन्होंने तहसीलवार सीमाकंन, बंटाकन, नामांतरण, अविवादित नामांतरण सहित अन्य राजस्व प्रकरणों के निराकरण की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्धारित लक्ष्य अनुसार शत-प्रतिशत प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने के निर्देश दिए । राजस्व अभियान के तहत 161931 प्रकरणों का निराकरण किया गया । कलेक्टर सिंह ने राजस्व अभियान के तहत समग्र पोर्टल पर ई-केवायसी कराने के गति बढ़ाने के लिए कहा । उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों एवं जनपदों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-केवायसी की नियमित समीक्षा करें और इसकी गति बढ़ाएं । अभी तक जिले में 812714 ई-केवायसी समग्र पोर्टल पर की गई है ।

80 हजार से अधिक किसानों का पंजीयन

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिए जिले में किसान पंजीयन की जानकारी लेते हुए कहा कि शासन द्वारा किसान पंजीयन के लिए 06 मार्च तक की तिथि निर्धारित की गई है । जिले में गेहूँ, चना, मसूर उत्पादन वाले अधिक से अधिक किसानों का पंजीयन सुनिश्चित कराएं । जिले में अभी तक गेहूँ उपार्जन के लिए 80 हजार से अधिक किसानों द्वारा पंजीयन कराया गया है । श्री सिंह ने कहा कि जहां पंजीयन में तकनीकी समस्या हो उसका तुरंत समाधान कराएं ।

मदिरा एकल समूह का निष्पादन हुआ

विदिशा , निप्र। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव, पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला की उपस्थिति में विदिशा जिले की मदिरा एकल समूह 74 दुकानो के लिए ऑन लाइन नीलामी प्रक्रिया की समुचित कार्यवाही कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई है। कलेक्टर श्री भार्गव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई नीलामी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए जिला आबकारी अधिकारी श्री विनय रंगशाही ने बताया कि विदिशा जिले की 74 कम्पोजिट मदिरा दुकानो को सम्मिलित कर एक एकल मदिरा समूह व्हीडीएस/1 वर्ष 2024-25 की अवधि के लिए आबकारी नीति के प्रावधानो अनुसार निष्पादन ई टेण्डर के माध्यम से की गई है।वर्ष 2024 हेतु ई टेण्डर द्वारा मदिरा दुकान एक एकल समूह के निष्पादन हेतु जारी कार्यक्रम अनुसार आज चार मार्च 2024 की अपरान्ह 2.30 बजे से प्राप्त ई ऑन लाइन टेण्डर प्रपत्रों को नियमानुसार खोलने की प्रक्रिया संपादित की गई है। टेण्डर खोलने की प्रक्रिया पूर्ण होने के उपरांत विदिशा जिला एक मात्र मदिरा एकल समूह व्हीडीएस-1 की वर्ष 2024-25 हेतु उच्चतम आफर 297 करोड़ 11 लाख रूपए उज्जैन के राजकुमार सिसौदिया श्री स्वास्तिक रिद्धि टेऊडर्स का प्राप्त होने पर मदिरा दुकाने आवंटन करने की कार्यवाही संपादित की गई है। जिला आबकारी श्री विनय रंगशाही ने बताया कि विदिशा जिले की भांग दुकानो का ठेका भी वर्ष 2024-25 हेतु निष्पादित किया गया है। भांग दुकानो का ठेका उच्चतम आफर आठ लाख 37 हजार 144 रूपए में गया है जो गतवर्ष की तुलना में दस प्रतिशत अधिक है जबकि मदिरा दुकानो का ठेका गत वर्ष से 16.12 प्रतिशत अधिक है।

सरकारी संसाधनों से मध्य प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल की धार्मिक यात्रा अनुचित - भाकपा

भोपाल। विगत 4 मार्च को मध्य प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल के सदस्यों की सरकारी संसाधनों से अयोध्या में राम मंदिर में दर्शन हेतु यात्रा और इसके लिए लाखों रुपए के सरकारी विज्ञापन जारी करने को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने अनुचित बताते हुए इसे भारत के संवैधानिक मूल्यों के खिलाफ निरूपित किया है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मध्य प्रदेश राज्य सचिव कामरेड अरविन्द श्रीवास्तव और राज्य सहसचिव कामरेड शैलेन्द्र शैली ने यहां जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि ÷ एक नागरिक के रूप में किसी भी व्यक्ति का धार्मिक यात्रा करना निजी मामला होता है।भारत के संविधान ने भी प्रत्येक नागरिक को अपनी धार्मिक आस्थाओं के पालन का अधिकार दिया है लेकिन इसके लिए सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग होना और धार्मिक उन्माद फैलाने, लोकसभा चुनावों के पूर्व वोटों का ध्रुवीकरण करने के लिए लाखों रुपए के सरकारी विज्ञापन जारी करना अनुचित है। इससे अल्पसंख्यक जनता में असुरक्षा की भावना बढ़ती है। अल्पसंख्यक जनता द्वारा दिए टैक्स से भी सरकारी कोष बनता है लेकिन राजनीतिक कारणों से एक धर्म विशेष के लिए सरकारी संसाधनों का उपयोग होना अल्पसंख्यक जनता के साथ अन्याय और भारत के संवैधानिक मूल्यों और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के खिलाफ है। भारत के राष्ट्रपति और मध्य प्रदेश के राज्यपाल से भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने अपील की है कि इस मामले में हस्तक्षेप कर राजनीतिक कारणों से मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा धार्मिक आयोजनों में सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग और लाखों रुपए के सरकारी विज्ञापन जारी करने पर रोक लगाने हेतु मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को निर्देशित करें।÷

समग्र आईडी का आधार के साथ शत-प्रतिशत ई-केवायसी 15 मार्च तक पूर्ण करने के निर्देश

सीहोर , निप्र। जिले में समग्र पोर्टल में नागरिकों के समग्र आईडी का आधार से ई-केवायसी शत-प्रतिशत कराये जाने का लक्ष्य है। इस उद्देश्य से 15 मार्च 2024 तक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। साथ ही इस दौरान भू-स्वामी द्वारा आधार सत्यापित समग्र को राजस्व भू-अभिलेख (खसरे) से लिंकिंग का कार्य भी प्राथमिकता से किया जाना है। नागरिकों के लिये समग्र आईडी का आधार से ई-केवायसी का कार्य एमपी ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर के कियोस्क तथा लोक सेवा केन्द्रों के माध्यमों से किया जा रहा है। साथ ही यह कार्य सीधे समग्र पोर्टल www.samagra.gov.in एवं समग्र मोबाइल एप पर भी किया जा सकता है। इस प्रक्रिया में नागरिकों की जानकारी का सत्यापन उनके आधार, आईडी विवरण के अनुसार किया जाता है। समग्र पोर्टल पर समग्र आईडी एवं आधार की जानकारी का शत-प्रतिशत मिलान होने पर ई-केवायसी की प्रक्रिया स्वत÷पूर्ण हो जाती है। यदि समग्र एवं आधार की जानकारी में अंतर है तो यह प्रक्रिया ग्राम पंचायत, वार्ड प्रभारी द्वारा सत्यापन के बाद पूरी की जाती है।

आधार में त्रुटि होने पर ई-केवायसी कराने से पहले आधार सुधरवाना चाहिए। नागरिकों के लिये ई-केवायसी प्रक्रिया पूर्णत÷नि÷शुल्क है। कियोस्क एजेन्सी को प्रति सफल ट्रांजेक्शन के लिये एमपीएसईडीसी द्वारा 18 रूपये प्रति ट्रांजेक्शन दिया जायेगा। ई-केवायसी के लिए जिलेवार, स्थानीय निकायवार, वार्डवार एवं ग्राम पंचायतवार समग्र धारकों की सूची पोर्टल पर उपलब्ध है।यह निर्देश प्रमुख सचिव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी श्री निकुंज कुमार श्रीवास्तव ने दिये है। खसरे को ई-केवायसी सत्यापित समग्र आईडी से लिंकिंग के निर्देश समग्र पोर्टल पर एक अलग माडयूल के माध्यम से केवल ई-केवायसी सत्यापित समग्र आईडी को भूमि से जोड़ने के लिये अनुरोध दर्ज कराया जा सकेगा। यह प्रक्रिया समग्र पोर्टल पर मेन्यू ÷समग्र से भूमि लिंक करें÷ पर जाकर की जा सकेगी। यह प्रक्रिया भी एमपी ऑनलाईन, कॉमन सर्विस सेन्टर के कियोस्क तथा लोक सेवा केन्द्रों के माध्यमों से की जा सकती है। साथ ही यह कार्य सीधे समग्र पोर्टल www.samagra.gov.in एवं समग्र मोबाइल एप पर भी किया जा सकता है। यह प्रक्रिया भी पूरी तरह से नि÷शुल्क है। पटवारी द्वारा सत्यापन के बाद 6 रूपये प्रति खाता एमपीएसईडीसी द्वारा कियोस्क एजेन्सी को दिया जायेगा। समग्र आईडी से लिंक्ड आधार नंबर पर यदि कोई भू-स्वामी एवं खसरा पहले से लिंक पाया जाता है तो संबंधित भू-स्वामी व खसरा विवरण की जानकारी स्क्रीन पर प्रदर्शित होगी। उपयोगकर्ता द्वारा जिला, तहसील, गांव और सर्वे नंबर का चयन करके भू-स्वामी का विवरण देखने के लिए सबमिट किया जाएगा। केवल वही रिकॉर्ड प्रदर्शित हो सकेंगे जो कि पटवारी द्वारा परिमार्जित किए गए हैं। समग्र में उपलब्ध प्रथम नाम खसरे में उपलब्ध भू-स्वामी के प्रथम नाम से 100 प्रतिशत मिलान होने वाले भू-स्वामी की जानकारी ही प्रदर्शित होगी। प्रथम नाम ना मिलने की स्थिति में केवल विवरण प्रदर्शित होगा परंतु इसका चयन नहीं किया जा सकेगा। एक या एक से अधिक भू-स्वामी की आईडी का चयन करने के बाद आवेदक को आधार-आधारित सत्यापन ओटीपी अथवा बायोमेट्रिक द्वारा करने पर लिंकिंग प्रक्रिया पूरी होगी। भू-स्वामियों एवं खसरों संबंधित सूची राजस्व विभाग द्वारा जिला स्तर पर उपलब्ध कराइ जाएगी। सभी भू-स्वामियों का भू-अभिलेख ई-केवायसी सत्यापित समग्र से लिंक कराना सुनिश्चित किया जाए। मैदानी अमले द्वारा दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में ई-केवायसी अभियान के लिये संबंधित एजेंसियों एमपी ऑनलाईन एवं सीएससी कियोस्क को विशेष अभियान,कैम्पेन,कैंप के लिये आवश्यक सहयोग,समन्वय प्रदान किया जायेगा। एजेंसियों के जिला स्तरीय समन्वयकों के साथ सतत संपर्क एवं समन्वय स्थापित कर जिलेवार ई-केवायसी अभियान के क्रियान्वयन के लिये कार्य योजना तैयार कर कार्यवाही की जायेगी।

नागरिकों की सुरक्षा और पुलिस की कार्य प्रणाली को प्रभावी बनाने के लिए जन संवाद आवश्यक है: राजस्व मंत्री श्री वर्मा

सीहोर , निप्र। बिलकिसगंज थाने में आयोजित जन संवाद कार्यक्रम में प्रदेश के राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा शामिल हुए। उन्होंने नागरिकों से कहा कि पुलिस आपकी सुरक्षा और सहायता के लिए है। नागरिकों की सुरक्षा के लिए जो कानून है, उनका पालन पुलिस सुनिश्चित करती है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि पुलिस की कार्य प्रणाली प्रभावी और बेहतर बनाने के लिए नागरिकों और पुलिस का आपस में निरंतर संवाद होता रहे। आपसी संवाद में कई अच्छे सुझाव भी प्राप्त होते हैं, जो पुलिस के लिए उपयोगी हो सकते हैं। इसी प्रकार पुलिस की कार्य प्रणाली और समय-समय पर पुलिस विभाग द्वारा आमजन की सुरक्षा के संबंध में जारी होने वाले दिशा निर्देशों से भी नागरिक अवगत होते रहेंगे। उन्होंने कहा कि कई समस्याओं का हाल आपसी संवाद से ही निकल जाता है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अत्यधिक संवेदनशील है और मध्य प्रदेश ऐसा राज्य है जिसने महिलाओं के साथ दुराचार करने वालों को फांसी की सजा देने का कानून बनाया है। उन्होंने कहा कि आम नागरिक जब थाने में आए तो उसे किसी तरह का कोई संकोच नहीं होना चाहिए। प्रदेश के साथही सीहोर जिले के सभी थानों में पुलिस जनसंवाद आयोजित किया किया गया। जिसमें थाना क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण, पत्रकारगण, गणमान्य नागरिक, प्रबुद्धजन, विभिन्न व्यवसायों जैसे डॉक्टर, अधिवक्ता, शिक्षाविद आदि, व्यापार मंडलों के प्रतिनिधियों, जनसामान्य से जुडी संस्थाओं के प्रतिनिधिगण आदि को आमंत्रित किया गया। पुलिस जनसंवाद में आमंत्रित गणमान्य नागरिकों से उनके निवास के क्षेत्र में सुरक्षा का वातावरण, पुलिस से अपेक्षा, सुरक्षा संबंधी समस्याओं चर्चा की गई तथा सुझाव प्राप्त किए गए। पुलिस कार्यप्रणाली के बारे में उपस्थित नागरिकों को अवगत कराया गया ।

निर्वाचन के दौरान संयुक्त समन्वय से जांच पड़ताल के कार्यों का संपादन करें

विदिशा , निप्र। IST कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने आज लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर प्रवर्तन ऐजेंसियों के माध्यम से संपादित किए जाने वाले कार्यों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि विधानसभा निर्वाचन के दौरान जिस प्रकार टीम वर्क की भावना से कार्य कर जांच पड़ताल के कार्य किए गए हैं ठीक वैसे ही लोकसभा निर्वाचन के दौरान कार्यों का संपादन हो। कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि विदिशा जिले के हाईवे मार्गो सहित अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में विशेष चैक पोस्ट बनाए जाएंगे इसके लिए अधिकारी, कर्मचारियों को बकायदा नामदर्ज सहित ड्यूटी लगाई जाएगी। उन्होंने रेलवे के माध्यम से निर्वाचन के दौरान किसी भी प्रकार से आकृत्य गतिविधियों का संचालन ना हो पाए इसके लिए विदिशा एवं बासौदा रेलवे स्टेशनों पर निर्वाचन अवधि के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और दलों की तैनाती के संबंध में निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि जिले की सीमा में कहीं भी अवैध रूप से मदिरा का परिवहन और विक्रय ना हो उन्होंने बताया कि दस लाख से अधिक की राशि जप्ती के संबंध में आयकर विभाग को सूचना देना अनिवार्य है ताकि नियमानुसार कार्यवाही हो सके। उन्होंने जिले की सभी मदिरा दुकानों के सीसी टीव्ही कैमरे निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान पूर्ण क्रियाशील रहें और उनकी हर रोज की रिकॉर्डिंग एवं स्टॉक की जांच पड़ताल करने हेतु जिला आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया गया है। कलेक्टर श्री भार्गव ने बताया कि आदर्श आचरण सहिंता से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त होती हैं वहीं सी विजिल पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का समाधान अधिकतम 100 मिनिट में करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन अवधि के दौरान जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूं, चना, मसूर, सरसों का क्रय किया जाएगा। व्यापारियों द्वारा संबंधित किसानों को नगद राशि भुगतान की जाती है। कई बार चेक पोस्टों पर उन्हें अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है ऐसी पुर्नवृत्ति जिले में लोकसभा निर्वाचन के दौरान ना हो के भी प्रबंध मानवीय दृष्टिकोण से सुनिश्चित किए जाएं। पुलिस अधीक्षक श्री दीपक कुमार शुक्ला ने एसएसटी के द्वारा संपादित किए जाने वाले कार्यों खासकर चैक पोस्टों पर बरती जाने वाली सावधानी व जांच बिंदुओं के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दल के सदस्य जहां भी जब भी जांच करने अथवा कार्यवाही करने जाते हैं तो वीडियों कैमरा मैन को अनिवार्य रूप से अपने साथ रखें ताकि किसी भी प्रकार के आरोप-प्रत्यारोप से बचा जा सके। उन्होंने कहा कि लोकसभा निर्वाचन के दौरान विधानसभा की तर्ज पर चैकियों का गठन ना कर सीमावर्ती क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। इसी प्रकार औचक निरीक्षक दल के द्वारा भी सूचनाएं प्राप्त होने पर अबिलंव कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्टेट के बेतवा सभागार कक्ष में सम्पन्न हुई इस बैठक में उप वन मण्डलाधिकारी, एसडीएम, इन्कमटैक्स आफीसर, मुख्य डाकघर अधीक्षक, पश्चिम मध्य रेल्वे प्रबंधक, जिला आबकारी अधिकारी, जिला परिवहन अधिकारी, वाणिज्यिकर अधिकारी, लीड बैंक आफीसर, जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी, खनिज अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी, जनसम्पर्क अधिकारी तथा नापतौल विधिक मापविज्ञान निरीक्षक को उक्त बैठक में सम्मिलित होकर विभागीय कार्यो को सुव्यवस्थित रूप से सम्पन्न कराए जाने हेतु तय कार्ययोजना से अवगत कराया।

लंबित आवेदनों की समीक्षा

विदिशा , निप्र। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव ने सोमवार को लंबित आवेदनों की समीक्षा की। कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में कलेक्टर श्री भार्गव ने जिले में सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के निराकरण पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए है। उन्होंने बताया कि प्रदेश स्तरीय जिलों की मार्च माह की रैकिंग सूची इसी माह की 19 तारीख को जारी की जाएगी। कलेक्टर श्री भार्गव ने ऐसे विभाग जो डी ग्रेड सूची में शामिल हैं उन विभागों के अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि सीएम हेल्पलाईन आवेदनों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराया जाना सुनिश्चित करें ताकि जिले की ग्रेडिंग सूची में सुधार आए। उन्होंने बताया कि वर्तमान में राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों में सैकड़ों की संख्या में आवेदन लंबित हैं। ऐसे आवेदन जिनका निराकरण जिला स्तर पर संभव नहीं है तथा बजट आभाव के कारण निराकृत नहीं किए जा सकते हैं उन आवेदनों के मामलों में सटीक कारण अंकित करते हुए फोर्स क्लोज कराने की कार्यवाही करें। कलेक्टर श्री भार्गव ने समस्त एसडीएमों को भी ततसंबंध में निर्देशित किया है कि अनुभाग स्तर पर विभागों के लंबित आवेदनों के निराकरण की पहल हेतु विशेष शिविर आयोजित करें और इन शिविरों में संबंधित विभाग के जिला व खण्ड स्तरीय अधिकारी आवश्यकता के अनुसार उपस्थित हों साथ ही विभागों से संबंधित शिकायतकर्ता आवेदकों की उपस्थिति विभाग अधिकारी सुनिश्चित कराएं ताकि एसडीएम स्तर पर समस्याओं का समाधान हो सके और सीएम हेल्पलाइन के मामले में जिले की रैंकिंग सूची में सुधार परिलीक्षित हो। कलेक्टर श्री भार्गव ने जिले में संचालित पीएम जनमन अभियान के तहत संपादित किए जाने वाले कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने बताया कि विदिशा जिले में पीव्हीटीजी मिशन के तहत सहरिया बाहुल्य जनजाति समुदाय के 475 ग्राम चिन्हित हुए हैं इन ग्रामों की कुल जनसंख्या 54956 है जबकि परिवारों की संख्या 12309 है। मिशन के तहत संबंधित ग्रामों के सहरिया बाहुल्य समुदायों को पीएम आवास, नल जल से ग्रामों को जोड़ना, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, उप स्वास्थ्य केन्द्र, आंगनबाड़ी केन्द्र तहत स्वीकृत भवनों के अलावा मोबाईल टॉवर से जुड़ने वाले ग्रामों की संख्या, समग्र आईडी, आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र आयुष्मान कार्ड, जन-धन खाता इत्यादि की पृथक-पृथक समीक्षा की साथ ही विशेष शिविरों के दौरान प्राप्त हुए आवेदनों के निराकरण संबंध में विभागीय कार्यवाही से अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया है।बैठक में बोर्ड परीक्षा की तैयारियां, न्यायालयों में प्रचलित प्रकरणों की स्थिति, पेंशन के लंबित प्रकरणों की स्थिति, गेहूं उपार्जन के लिए वारदाना और वेयर हाउस के साथ-साथ राजस्व अभियान से संबंधित क्रियान्वित कार्यों और इनसे प्राप्त आवेदनों के निराकरण हेतु विभागीय अधिकारियों द्वारा की गई पहल के कार्यों की समीक्षा की है। कलेक्टेऊट के बेतवा सभागार कक्ष में जिला पंचायत सीईओ डॉ योगेश भरसट, अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती अनुभा जैन, श्रीमती मोहिनी शर्मा, श्रीमती शशि मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री अवनीश मिश्रा, विदिशा एसडीएम श्री क्षितिज शर्मा के साथ-साथ विभिन्न विभागों के जिलाधिकारी मौजूद रहे वहीं अन्य अनुविभागीय राजस्व अधिकारियों के साथ-साथ खण्ड स्तरीय अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद किया गया।

दैनिक
सद्भावना पाती
...प्राणियों में सद्भावना हो...
इंदौर, बुधवार 06 मार्च , 2024

खाद्यान्न सामग्री वितरण के लिए इंदौर जिले को मिले 3 लाख 63 हजार बैग्स, उपभोक्ताओं को मिलेंगे निश्शुल्क

इंदौर। इंदौर जिले में सभी शासकीय उचित मूल्य दुकानों के उपभोक्ताओं को खाद्यान्न सामग्री रखने के लिए 10 किलोग्राम क्षमता के बैग निश्शुल्क प्रदान किए जाएंगे। वितरण के लिए इंदौर जिले को 3 लाख 63 हजार बैग्स मिल चुके हैं। इनका वितरण भी शुरू हो गया है। कलेक्टर आशीष सिंह ने निर्देश दिए हैं कि प्राप्त बैग्स का वितरण आगामी पांच दिवस में सुनिश्चित कर लिया जाए। जिला आपूर्ति नियंत्रक एम.एल. मारू ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे अपने संबंधित उचित मूल्य दुकान पर जाकर यह बैग प्राप्त कर लेवे। उन्होंने बताया कि भारतीय खाद्य निगम से प्राप्त यह बैग निश्शुल्क वितरित किए जा रहे हैं। बैग्स की क्षमता 10 किलोग्राम है। उन्होंने बताया कि जिले में 3 लाख 63 हजार उपभोक्ताओं को बैग्स का निश्शुल्क वितरण किया जाएगा। यह वितरण जिले की 650 उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगर किसी उपभोक्ता को बैग प्राप्त करने में समस्या है तो वह 181 पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

कृषि एवं सहकारिता सम्मेलन आज, किसानों के खातों में आएगी तीसरी किस्त

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में 6 मार्च को कृषि एवं सहकारिता सम्मेलन का आयोजन किया गया है। यह सम्मेलन भिंड में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम के माध्यम से मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना की वर्ष 2023-24 की तीसरी किस्त किसानों के खातों में अंतरित की जाएगी। प्रदेश के 80 लाख किसानों के खातों में 1816 करोड़ रुपए का वितरण होगा। इस अवसर पर इंदौर के कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष क्रमांक 210 में 6 मार्च को अपराह्न 12ः30 बजे से दोपहर 1ः30 तक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के लिए उपसंचालक कृषि तथा सहकारिता विभाग के उपायुक्त को नोडल अधिकारी बनाया गया है। जिले के हितग्राही वेब कास्ट लिंक द्धह्लह्लश्चह्यः//2द्गड्ढ-ष्ड्डह्यह्ल.द्ग्1.द्बठ्ठ/द्बश्च/ष्द्गद्1द्गठ्ठह्लह्य के माध्यम से जुड़कर कार्यक्रम को देख और सुन सकेंगे। जिला स्तर पर भी कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाएं जाने की व्यवस्था की गई है। जिलों की ग्राम पंचायत में भी इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया जाएगा।

वादा खिलाफी के खिलाफ शंख बजाकर किसानों का प्रदर्शन

सरकार ने वादे नहीं किए पूरे; कलेक्टोरेट पर नारेबाजी, ज्ञापन

इंदौर (नप्र)। सरकार की वादा खिलाफी के खिलाफ मंगलवार को भारतीय किसान संघ के बैनर तले किसानों ने प्रदर्शन किया। दोपहर को वे हाथों में तख्तियां लिए कलेक्टोरेट पहुंचे। यहां उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और ज्ञापन सौंपा।उन्होंने कहा कि चुनाव के समय सरकार के लोगों ने किसानों से वादा किया था। इसमें गेहूं 2700 रुपए प्रति क्विंटल और धान 3100 रुपए प्रति क्विंटल से खरीदी करने का की बात कही गई था। इसके बाद सरकार ने मध्य प्रदेश के किसानों के साथ वादा खिलाफी की है। हमें फसलों का उचित दाम नहीं मिल रहा है। इसे लेकर हमने पूरे प्रदेश में मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने सरकार से न्याय की गुहार की है।

इंदौर में भाजपा पार्षद ने की ड्राइवर की शिकायत

वार्ड-55 की पार्षद ने लेटर में लगाया निगम की गाड़ी के प्राइवेट उपयोग का आरोप

इंदौर (नप्र)। नगर निगम के ड्राइवर द्वारा ड्रेनेज प्रेशर गाड़ी के दुरुपयोग करने का मामला सामने आया है। पार्षद ने जोन अधिकारी को लेटर लिखा है और शिकायत की है। साथ ही ड्राइवर को दूसरे जगह स्थनांतरित करने की भी मांग की है। वार्ड 55 की पार्षद पंखुडी जैन डोसी ने ड्रेनेज प्रेशर गाड़ी के ड्राइवर को हटाने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने जोन 11 के जोनल अधिकारी को लेटर लिखा है। गाड़ी के ड्राइवर सुनील रघुवंशी है। आरोप है कि ड्राइवर द्वारा प्रेशर गाड़ी का दुरुपयोग कर रुपए लेकर प्राइवेट काम किया जाता है। जोनल अधिकारी को एक वीडियो भी पार्षद की तरफ से सौंपा गया है, जिसमें रंगे हाथों ड्राइवर को पकड़ा। जोन 11 के लिए गाड़ी अधिकृत है लेकिन वार्ड 62 के हर सिद्धि जोन में ड्राइवर प्राइवेट ड्रेनेज खाली करवा रहा था। मामले में पार्षद ने जल्द से जल्द कार्यवाही की मांग की है।

आठ बच्चों की मां को पति ने चाकू मारा

इंदौर (नप्र)। इंदौर के बाणगंगा थाने में 8 बच्चों के पिता ने पहली पत्नी का चाकू से गला रेंत दिया। महिला का अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपी पति के खिलाफ हत्या के प्रयास के मामले में केस दर्ज किया है। महिला के मुताबिक पति का दूसरी महिला से संबंध है। वह उसी के साथ रहते हैं। अब मेरे साथ रहने का दबाव बना रहे हैं। मैंने मना किया तो मुझे चाकू मार दिया।

संदेशखाली केस में इंदौर में एबीवीपी का प्रदर्शन

डीएवीवी परिसर में ममता बनर्जी का पुतला जलाया, फिर कलेक्टोरेट पहुंचे

इंदौर (नप्र)। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इंदौर महानगर के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के तक्षशिला परिसर में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का पुतला जलाया। इसके बाद कलेक्टोरेट पहुंचे। उन्होंने वहां जबर्दस्ती अंदर घुसने की कोशिश की। इस दौरान जमकर हंगामा और धक्का-मुक्की हुई। पुलिस व कर्मचारियों के साथ हाथापाई की नौबत भी आ गई। दोपहर को परिषद के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्रसिंह सोलंकी, मालवा प्रांत मंत्री राधिकासिंह सिकरवार और महानगर मंत्री सार्थक जैन के साथ छात्र पहले तक्षशिला परिसर में पहुंचे और वहां जमकर प्रदर्शन किया। इसके साथ ही नारेबाजी की। फिर समूह के रूप में कलेक्टोरेट पहुंचे। दरअसल परिषद में पहले सिर्फ खण्डवा रोड स्थित परिसर में ही प्रदर्शन की घोषणा की थी। इसके बाद वे कलेक्टोरेट पहुंचे। इस दौरान इन्हें बड़ी संख्या में देख पुलिसकर्मियों ने रोका तो उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। पुलिस इन्हें संभाल पाती तब तक वे परिसर में जा पहुंचे। इस पर पुलिस ने भवन का चैनल गेट बंद कर दिया तो उन्होंने वहां धक्का-मुक्का की। इस दौरान पुलिस और कर्मचारियों के साथ विवाद व हाथापाई की नौबत आ गई।दरअसल छात्र नेता एसडीएम से ज्ञापन की बात सुनकर राजी नहीं हुए। उन्होंने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने की मांग की। धक्का-मुक्का के बीच वे चैनल गेट से अंदर चले गए। इस पर पुलिस ने बाहर किया। छात्रों ने बाहर बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि संदेशखाली में महिलाओं के साथ यौन शोषण और उनके परिवारों पर सुनियोजित अत्याचार किया जा रहा है। पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। 10 फरवरी राज्यपाल आनंद बोस के संदेशखाली दौरे के कारण इस वीभत्स शोषण की सच्चाई जनमानस के सामने आई। वहां हिन्दू घरों से जबरन नाबालिग कन्याओं व महिलाओं को चिन्हित कर अत्याचार किए जा रहे हैं। पीड़िताओं में अधिकांश महिलाएं पिछड़े और अनुसूचित जाति की हैं। कई परिवार संदेशखाली से पलायन करने को मजबूर हैं।परिषद ने मांग की कि संदेशखाली के पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच केंद्रीय एजेंसियों द्वारा कराई जाए। दोषियों पर शीघ्र कार्रवाई की जाए।

इंदौर के सरकारी स्कूलों में चलेंगी बसें

प्राइवेट स्कूलों की तरह बच्चों को मिलेगी सुविधा, लेकिन यहां कोई फीस नहीं लगेगी

इंदौर (नप्र)। इंदौर जिले के सरकारी स्कूलों में भी स्कूल बसें चलेंगी जो बच्चों को लाने ले जाने का काम करेंगी। ये बसें प्राइवेट स्कूलों की तरह की बच्चों को पिक-ड्रॉप करेगी। खास बात ये है कि सुविधा फ्री रहेगी। इसके लिए किसी प्रकार की कोई फीस नहीं देना होगी। जानिए क्या है पूरा मामला।दरअसल, इंदौर संभाग के सभी जिलों में सीएम राइज स्कूल शुरू हुए हैं। बुरहानपुर और बड़वानी में संचालित सीएम राइज स्कूलों में पहले से स्कूल बसें संचालित हो रही है। इन दो जिलों को छोड़ इंदौर सहित बचे हुए सभी जिले जैसे धार, खंडवा, खरगोन, नीमच-मंदसौर में स्कूल बसों का संचालन होगा। बसें नए शैक्षणिक सत्र से चलेंगी।बता दें इंदौर जिले में 11 सीएम राइज स्कूल संचालित हैं, जिसमें करीब 7500 से अधिक स्टूडेंट पढ़ते हैं। स्टूडेंट्स साइकिल-ऑटो या खुद के साधनों से ही स्कूल आ-जा रहे है, जबकि सीएम राइज स्कूलों में बस सुविधा उपलब्ध है। मगर इंदौर जिले में बीते दो साल से बस का संचालन नहीं हो पा रहा है।

बस चलाने के लिए पहले टेंडर निकाले गए लेकिन किसी ऑपरेटर ने रुचि नहीं दिखाई। हाल ही में फिर से टेंडर जारी हुए थे, जिसमें 2050 रुपए प्रति सीट पर बस संचालित करना तय हुआ है। एजेंसी को ही महिला सुपर वाइजर, ड्राइवर, कंडक्टर सब रखना होंगे। बस 17, 25, 32 और 50 सीटर रहेगी। ये स्टूडेंट्स की संख्या के आधार पर तय होगा।

मां की हत्या करने वाला दोस्त पकड़ाया

हाथ बांधकर रस्सी से गला घोंटा, पास रखे पैसे लेकर भाग गया, रात में ही पकड़ाया

इंदौर (नप्र)। इंदौर के चंदन नगर इलाके में सोमवार शाम एक बुजुर्ग महिला का शव उसके घर के कमरे में पड़ा मिला है। सूचना के बाद पुलिस और एफएसएल अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस के मुताबिक महिला के हाथ बांधकर गला घोंटा गया है। हत्या उसके बेटे के दोस्त ने ही की है। उसे सोमवार रात में ही हिरासत में ले लिया है। उसने हत्या करना कबूल की है। अफसर जल्द ही पूरे घटनाक्रम का खुलासा करेंगे।चंदन नगर पुलिस के मुताबिक मृतक महिला का नाम पुष्पाबाई (60) पति नंदलाल छारोड़िया है। वह चांदमारी के भट्टे में रहती थी।

पति ने यह बताई कहानी- पुलिस के मुताबिक महिला के पति ने बताया कि वह शाम 4 बजे सब्जी लेने निकला था। करीब दो घंटे बाद शाम 6 बजे घर पहुंचा। पत्नी जमीन पर पड़ी मिली। उसके हाथ बंधे हुए थे। गले में भी रस्सी बंधी थी। घबराकर मैंने उसे चिल्लाकर आवाज लगाई। पर उसके शरीर में कोई हलचल नहीं हुई। फिर मैंने उसके दोनों हाथ और गले की रस्सी खोली और पलंग पर लेटा दिया। इस दौरान आसपास के लोग इकट्ठा हो गए।

बेटे को भी पड़ोसियों ने बुलाया- पति की रोने की आवाज सुनकर जब पड़ोसियों ने बेटे श्याम को जानकारी दी। पड़ोसी महिला को नजदीक के निजी अस्पताल ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बाद में पड़ोसियों ने ही पुलिस को सूचना दी।

आने-जाने वालों के सीसीटीवी देखे तो पकड़ाया हत्यारा- पुलिस ने सूचना मिलने के बाद मृतक महिला के घर के आसपास के सीसीटीवी फुटेज चैक किए। इसमें महिला के बेटे श्याम के दोस्त मोहन का नाम सामने आया।

नवनियुक्त अधिकारी जनसेवा और जनकल्याण के भाव से शासकीय सेवा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

सीएम ने राज्य सेवाओं के अधिकारियों के आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम को किया संबोधित

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित अभ्यर्थियों को कहा है कि जनसेवा और जनकल्याण के भाव से शासकीय सेवा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। स्वयं पर विश्वास रखें और कार्य को टालने की प्रवृत्ति को कभी हावी न होने दें। कार्य को टालना अक्षमता और स्वयं पर विश्वास की कमी का प्रतीक है। अतः अनुशासित रहते हुए सदैव अपनी दक्षता संवर्धन का प्रयास करते रहें और निर्भीक होकर जनहित को समर्पित रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रम-बेताल के प्रसंगों के माध्यम से प्रशासन व प्रबंधन के सूत्र अभ्यर्थियों से साझा किये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव राज्य सेवाओं के अधिकारियों के लिए 110वें और 111वें संयुक्त आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ सत्र को प्रशासन अकादमी सभागार में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया, उद्घाटन सत्र का आरंभ अकादमी के संकल्प गान से हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि व्यक्तित्व को निखारने और अपने दायित्वों व कार्यों के दक्षतापूर्वक निर्वहन की क्षमता विकसित करने में प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। प्रशिक्षण हमारी परिणाममूलक कार्य करने की योग्यता और क्षमता में वृद्धि में सहायक होता है। अतः आधारभूत प्रशिक्षण कार्यक्रम को गंभीरता से लेना आवश्यक है। यह कार्यक्रम अभ्यर्थियों को राज्य शासन के उद्देश्य, शासकीय सेवा की नियम प्रक्रियाओं और जनअपेक्षाओं का सिंहावलोकन प्रदान करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अभ्यर्थियों को मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग में चयन के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार ने बताया कि मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा वर्ष 2019 व 2020 के चयनित 210 अभ्यर्थियों के लिए 7 सप्ताह का प्रशिक्षण सत्र प्रशासन अकादमी में आयोजित किया गया है। प्रशिणार्थियों में गृह, सहकारिता, आबकारी, उद्योग, श्रम, स्कूल शिक्षा और जनजातीय कार्य विभाग के लिए चयनित अधिकारी शामिल हैं। प्रशिक्षण सत्र में अभ्यर्थियों को शासन-प्रशासन की बारीकियों, प्रदेश में संचालित योजनाओं व कार्यक्रमों, जनसामान्य की समस्याओं से अवगत कराया जाएगा। प्रशिक्षण सत्र में अभ्यर्थियों का भ्रमण कार्यक्रम भी शामिल है।

रेसीडेंसी एरिया का ड्रोन के माध्यम से नक्शा तैयार

राजस्व सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होने पर भूमि स्वामियों को मिलेगा राजस्व सुविधाओं का लाभ

इंदौर। इंदौर नगर के रेसीडेंसी एरिया में राजस्व सर्वेक्षण के प्रथम चरण का कार्य पूरा हो गया है। द्वितीय चरण में दस्तावेजों की जांच की प्रक्रिया चल रही है। द्वितीय चरण का कार्य पूर्ण होने पर भूमिस्वामियों को अनेक राजस्व सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इंदौर नगर अंतर्गत स्थित अनसर्वेड रेसीडेन्सी एरिया जो कि वर्तमान में तहसील जूनी इन्दौर के रेसीडेंसी एरिया, पटवारी हल्का नं. 3 कस्बा इन्दौर के अंतर्गत आता है जिसका भौगोलिक रकबा लगभग 1030 एकड़ हैं, जो कि वर्तमान में अनसर्वेड एरिया है जिसका भू-सर्वेक्षण का कार्य किया जा रहा है। प्रथम चरण में ड्रोन पलाय कर प्रारूप नक्शों का निर्माण राजस्व विभाग द्वारा किया जा चुका है।तदोपरांत द्वितीय चरण अंतर्गत भू-सर्वेक्षण को प्रारंभ कराये जाने की अधिसूचना का प्रकाशन आयुक्त भू-अभिलेख एवं बन्दोबस्त कार्यालय ग्वालियर द्वारा 12 मई 2023 को किया गया है। राजस्व सर्वेक्षण नियमानुसार आयुक्त भू-अभिलेख द्वारा अधिसूचना जारी होने के पश्चात् जिला सर्वेक्षण अधिकारी द्वारा भी अधिसूचना जारी की गई हैं।

अधिसूचना जारी होने पर रेसीडेंसी एरिया अनसर्वेड एरिया था। राजस्व सर्वेक्षण कार्य पूर्ण होने पर रेसीडेंसी एरिया के भूमिधारकों को इसका सीधे-सीधे लाभ प्राप्त होगा। भूमि के नामांतरण, सीमांकन संबंधी समस्याओं का निराकरण, क्रय-विक्रय में सुगमता, विवाद रहित स्वामित्व स्थापित करना, भू-अर्जन में आसानी, राजस्व सम्बन्धी प्रकरणों के निराकरण में आसानी, पेपरलेस लैंड रिकॉर्ड हेतु सुविधाजनक है, साथ ही सार्वजनिक उपयोग के रास्तों का संरक्षण एवं निर्धारण में आसानी एवं निस्तार की भूमि/शासकीय भूमि को आसानी से संरक्षण किया जा सकेगा।

वर्तमान में प्रथम चरण का कार्य पूर्ण हो गया है। भूमि स्वामियों से आग्रह किया गया है कि वे द्वितीय चरण में अपने दस्तावेजों को 6 मार्च 2024 से 15 मार्च 2024 तक कलेक्टर कार्यालय के कक्ष क्रमांक 112 में सोमवार से शुक्रवार समय प्रातः 11 से 5 बजे तक जमा कराये। दस्तावेजों की जांच उपरांत शासकीय अभिलेख जैसे खसरा, नक्शा, बी-1 का निर्माण होकर विधि अनुरूप एक नगरेत्तर का दर्जा प्राप्त हो जायेगा।

मकान खाली कराने के लिए किराएदार को बता दिया 'डॉन' डीसीपी ने पकड़ी गलती

इंदौर (नप्र)। इंदौर में किराएदार-मकान मालिक के बीच में पुलिस उलझ गई है। हुआ यूं कि मकान मालिक-किराएदार का विवाद थाने पहुंचा। मकान मालिक ने एफआईआर में किराएदार के नाम के आगे गलत तरीके से छोटा डॉन भी जुड़वा दिया। ताकि जब उसका केस पुलिस या कोर्ट के सामने जाए तो किराएदार की आपराधिक छवि बन सके। लेकिन एफआईआर की कॉपी में जब खुद का नाम बदला हुआ देखा तो किराएदार चौंक गया। वह तत्काल कोर्ट की शरण में गया और पुलिस की शिकायत कर दी। राजवाड़ा क्षेत्र में कपड़ा व्यापारी युसूफ खान और उनका भाई जफर खान किराए से रहते हैं। मकान मालिक ने उनसे मकान खाली कराने के लिए कोर्ट में केस दाखिल किया है। यह केस कोर्ट में विचाराधीन है।फरवरी 2023 में दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ। मकान मालिक ने झगड़े के बाद एमजी रोड थाने में मारपीट की सामान्य धाराओं में केस दर्ज करा दिया। सात माह सितंबर 2023 में मकान मालिक किराएदार के बीच फिर विवाद हुआ। तब मकान मालिक ने जफर खान पर हत्या के प्रयास (धारा 307) का केस दर्ज करा दिया और नाम के आगे छोटा डॉन भी लिखा दिया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। हालांकि कोर्ट ने इसे किराएदार और मकान मालिक के बीच का विवाद बताकर जमानत भी दे दी।

डीसीपी ने पकड़ी गलती

एमजी रोड थाने की ओर से जफर पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के लिए लिखा गया तो डीसीपी पंकज पांडे ने उसे हत्या के प्रयास की धाराएं लगने के कारण केस को खारिज कर दिया। इस मामले में डीसीपी पांडे ने पूरे घटनाक्रम की जांच करवाकर जांच का आश्वासन दिया है।

दोनों के बीच कई सालों से चल रहा मकान का विवाद

युसूफ और जफर ने बताया कि मकान मालिक उनसे जबरदस्ती मकान खाली कराना चाहते हैं। 2017 में मकान मालिक ने कोर्ट में दीवानी केस दायर किया। बचाव में युसूफ और जफर ने बताया कि हमें बेदखल करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अवैध रूप से तोड़फोड़ की गई और बिजली का कनेक्शन भी काट दिया। कोर्ट ने इसे सही पाते हुए युसूफ और जफर के हित में निर्णय पारित किया।

जन्म से संबंधित विकृतियों को दूर करने के लिए जन्मजात विकृति जागरुकता माह का आयोजन

इंदौर। भारत शासन के निर्देशानुसार %जन्मजात विकृति जागरुकता दिवस% 03 मार्च से सम्पूर्ण राज्य के साथ-साथ इंदौर जिले में भी %जन्मजात विकृति जागरूकता माह% मनाया जा रहा है। इसका उ?द्देश्य सामुदायिक स्तर पर यह जागरूकता फैलाना है कि जन्म विकृतियों की शीघ्र पहचान, प्रभावी और समय पर उपचार यदि सुनिश्चित किया जाए तो बच्चे में होने वाली जन्मजात विकृतियों की तीव्रता को कम किया जा सकता है। इसके लिए जिले में सामुदायिक स्तर पर एवं स्वास्थ्य संस्थाओं में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें मुख्यतः आड़े-तिरछे पैर, जन्मजात हृदयरोग, कटे होंठ, फटे तालू तथा मूक-बधिर (0 से 05 वर्ष) से संबंधित विकृतियों को प्रमुखता से उपचारित किया जाएगा। इसके लिए जिला अस्पताल में हर मंगलवार को क्लब-फूट क्लिनिक का संचालन अनुश्का फाउंडेशन की मदद से किया जा रहा है। सभी प्रसव केन्द्रों पर संबंधित स्टाफ को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। सामुदायिक स्तर पर जन-जागरूकता उत्पन्न करने के लिए आशा कार्यकर्ताओं को प्रेरित किया जा रहा है कि वे समुदाय में इस यह बताए कि किशोरी बालिकाओं को संतुलित आहार दिया जाए, एम.आर. का टीका लगवाया जाए तथा विवाह के उपरांत महिला को फोलिक एसिड की गोली दी जाए तो स्पाईनल से संबंधित जन्मजात विकृतियों, आड़े-तिरछे पैर, जन्मजात हृदयरोग, कटे होंठ, फटे तालू तथा मूक-बधिर (0 से 05 वर्ष) से बचा जा सकता है। वर्ष 2005 में हुए एक अध्ययन के अनुसार प्रत्येक एक हजार जीवित जन्म पर 08 बच्चे जन्मजात हृदयरोग, 04.01 बच्चे न्यूरलट्यूब विकृति, 06 बच्चे जन्मजात मूक-बधिरता, 0.93 बच्चे कटे होंठ-फटे ताल।

संपादकीय

बेंगलुरु में भीड़भाड़ वाली जगह पर धमाके पर सवाल

बंगलुरु के कैफे में हुए बम विस्फोट से एक बार फिर सुरक्षा इंतजामों में अधिक कड़ाई की जरूरत रेखांकित हुई है। हालांकि घटना के बाद प्रशासन तुरंत सक्रिय हो गया और उसने दोषी को पकड़ने के लिए जाल बिछा दिया। गनीमत थी कि विस्फोटक हल्की तीव्रता का था और उसमें ज्यादा बड़ा नुकसान नहीं हुआ। उसमें दस लोग घायल हो गए। पता चला है कि शुक्रवार की दोपहर एक युवक बैग लेकर कैफे में घुसा और कुछ भोजन का आदेश देने के बाद बैग वहीं छोड़ कर चला गया। उसके कुछ देर बाद ही धमाका हो गया। सीसीटीवी कैमरे में उस युवक की तस्वीर कैद हो गई है। पुलिस अभी इस घटना को आतंकवादी साजिश मानने से इनकार कर रही है। गैरकानूनी गतिविधि अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

हालांकि पुलिस इस विस्फोट का अध्ययन करीब चौदह महीने पहले मंगलुरु में इसी तरह एक प्रेशर कुकर में हुए विस्फोट से जोड़ कर करने का प्रयास कर रही है। मगर यह सवाल अभी तक अनुत्तरित है कि अगर इस विस्फोट के पीछे किसी आतंकवादी संगठन का हाथ नहीं है, तो आखिर वहां किस तरह के अपराधी संगठन सक्रिय हैं, जो बंगलुरु में दहशत पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। बंगलुरु कर्नाटक की राजधानी है और वहां अनेक देशी-विदेशी साफ्वेटयर कंपनियों के मुख्यालय और शैक्षणिक संस्थान भी हैं। किसी व्यावसायिक शहर में इस तरह विस्फोट की घटनाओं से वहां के कारोबारियों के मनोबल पर बुरा असर पड़ता है। खासकर विदेशी कंपनियां ऐसी असुरक्षित जगहों पर अपना कारोबार चलाना ठीक नहीं मानतीं। इसलिए भी कर्नाटक सरकार के

लिए यह विस्फोट एक चुनौती की तरह हुआ है। स्वाभाविक ही इस घटना के बाद बंगलुरु की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि ज्यादातर सार्वजनिक स्थानों पर अब सुरक्षा की दृष्टि से जांच के कड़े इंतजाम किए जाते हैं। थैले आदि की विशेष रूप से जांच की जाती है। इस तरह ऐसी जगहों पर बैग वगैरह में विस्फोटक छिपा कर ले जाना और अपनी साजिशों को अंजाम देना अपराधियों के लिए आसान नहीं होता है। मगर जिस कैफे में विस्फोट हुआ, वह एक छोटी-सी जगह है, इसलिए वहां जांच के ऐसे उपकरण इस्तेमाल नहीं होते रहे होंगे। शहरों में ऐसी अनेक छोटी-छोटी जगहें होती हैं, जिनमें बीस-पचास लोगों के बैठने और नाश्ता-भोजन आदि की व्यवस्था होती है। ऐसी जगहों पर प्राय- मशीनों से लोगों और चीजों की जांच के इंतजाम नहीं किए जाते। उसी का फायदा बंगलुरु विस्फोट के अपराधी ने उठाया।

आतंकवादी गतिविधियों से सबसे अधिक खतरा ऐसी ही जगहों पर होता है, जहां भीड़भाड़ अधिक रहती है और बाजार में जांच आदि के पुख्ता इंतजाम नहीं होते। आतंकवादियों और शरारती तत्त्वों के लिए ऐसी जगहों पर अपनी साजिशों को अंजाम देना और कम विस्फोटक के जरिए अधिक से अधिक नुकसान पहुंचाना आसान होता है।

यह ठीक है कि हर छोटी-छोटी दुकान का मालिक ग्राहकों और उनकी वस्तुओं की जांच की व्यवस्था नहीं कर सकता, मगर ऐसे इलाकों के प्रवेश द्वारों पर सरकार की तरफ से जांच के इंतजाम तो किए ही जा सकते हैं। हालांकि अक्सर देखा गया है कि जिन जगहों पर ऐसे इंतजाम हैं भी वहां जांच उपकरण ठीक ढंग से काम नहीं करते। बंगलुरु की घटना एक तरह से देश के सभी संवेदनशील शहरों में सुरक्षा इंतजाम को लेकर चेतावनी की घंटी है।

सोशल मीडिया से...

मैं जब भी परिवारवाद की राजनीति की बात करता हूं तो विपक्ष के लोग कहते हैं कि मोदी का तो कोई परिवार ही नहीं है। इन्हें बताना चाहता हूं कि मेरा देश, 140 करोड़ देशवासी मेरा परिवार हैं। देशवासियों के लिए बचपन में घर छोड़ा था, इन्हीं के लिए जीवन खपा दूंगा।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

अगर मैं इस बारे में राहुल गांधी से बहस करने कहूंगी तो वे नहीं आएंगे। वे बीजेपी के एक मामूली कार्यकर्ता के सामने भी नहीं टिक पाएंगे। मैं गारंटी देती हूं कि अगर बीजेपी युवा मोर्चा का कोई कार्यकर्ता भी राहुल गांधी के सामने बोलना शुरू कर दे तो उनकी बोलने की ताकत खत्म हो जाएगी।

स्मृति इरानी, केंद्रीय मंत्री

चुनाव आते-जाते रहेंगे, लेकिन बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सत्ता में बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें पार्टी की ताकत पर पूरा भरोसा है। भले ही वोट कुछ कम-ज्यादा मिलें, लेकिन तृणमूल कांग्रेस टिकी रहेगी। जो लोग पार्टी के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं, उन्हें से ध्यान रखना चाहिए।

ममता बनर्जी, सीएम प. बंगाल

नरेंद्र मोदी ने मनरेगा का पैसा हिंदुस्तान के अरबपतियों को दे दिया। बैंक अंबानी-अडाणी को लाखों-करोड़ रुपए दे देता है, लेकिन बेरोजगारों को कर्ज नहीं मिलता। नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलने आया हूं।

राहुल गांधी, कांग्रेस नेता

आज का कार्टून

जीडीपी के चमकदार आंकड़ों के बीच उभरती चिंताएं

अभी हमारी प्रति व्यक्ति आय लगभग 2100 डॉलर है जबकि आज उच्च आय वाला देश उसे माना जाता है जहां प्रति व्यक्ति आय 12000 डॉलर से अधिक हो। यानी अभी हम उच्च आय वाले देश के छठवें हिस्से के बराबर है। विश्व बैंक के अनुसार प्रति व्यक्ति आय के मामले में दुनिया के 197 देशों की सूची में भारत का स्थान 142 वें पायदान पर है। आर्थिक सुधार और विकास की तेज रफ्तार के जरिए भारत का लक्ष्य 2047 तक अपनी अर्थव्यवस्था को आज से 10 गुना अधिक का बनाना है। आर्थिक जानकारों के मुताबिक इसके लिए हमें 8त्न से ऊपर की जीडीपी वृद्धि दर हासिल करनी होगी। चालू वर्ष की तीसरी तिमाही में यह लक्ष्य देश ने हासिल किया है, मगर जब हम वित्तीय वर्ष की आर्थिकी का लेखा-जोखा करते हैं और इसकी संभावनाओं को टटोलते हैं तो कुछ विलोम स्थितियां न सिर्फ सचेत करती हैं बल्कि नित नए आंकड़े चौंकाते भी हैं।

अनिल तिवारी

जीडीपी में देश की आर्थिक वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में तेजी से बढ़कर 8.4प्रतिशत हो गई है। हालांकि भारतीय रिजर्व बैंक ने इसी तिमाही के लिए 6.5प्रतिशत और एसबीआई रिसर्च में 6.7 से 6.9प्रतिशत तक रहने का अनुमान जताया था। लेकिन एक निश्चित अवधि में वस्तुओं और सेवाओं के मूल्यों में वृद्धि के आधार पर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के ताजा आंकड़ों में अनुमान से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है जिसका श्रेय विनिर्माण, खनन और निर्माण क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन को दिया गया है।

लेकिन दूसरी तरफ इंफ्रा सेक्टर की ग्रोथ पिछले 15 महीने में सबसे कम स्तर पर पहुंच गई है। जनवरी में कोर सेक्टर की वृद्धि दर साल भर पहले के मुकाबले 3.6 प्रतिशत रही है। कोर सेक्टर में शामिल 8 प्रमुख बुनियादी क्षेत्र में से रिफाइनरी प्रोडक्ट्स, फर्टिलाइजर, स्टील और इलेक्ट्रिसिटी में कमजोरी का असर ओवरऑल ग्रोथ पर पड़ा है।

मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल से जनवरी तक कोर सेक्टर की ग्रोथ 7.7 प्रतिशत रही है। इसी तरह जीडीपी के चमकदार आंकड़ों के बीच खेती और खपत का हाल अब भी बेहाल है। ग्रामीण मांग बहुत कमजोर है, शहरों में भी कोई तेजी नहीं है। जब तक खपत की रफ्तार नहीं बढ़ेगी, निजी निवेश में भी तेजी नहीं आएगी।

सुखद है कि खुदरा महंगाई दैनिक उपभोग की वस्तुओं के दाम घटने से निचले स्तर पर पहुंच गई है। लेकिन जानकारों का कहना है कि मूल्य सूचकांक का बढ़ना घटना अगर खाद्य उत्पादों पर ही निर्भर रहता है तो यह संतोषजनक नहीं है। असली मामला औद्योगिक उत्पादन की दर का है। औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर सालाना आधार पर पिछले वर्ष 3.8 प्रतिशत रह गई, इसका कारण था खनन और बिजली उत्पादन क्षेत्र का खराब प्रदर्शन।

मालूम हो कि वर्ष 1991 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने दुर्बल आर्थिक स्थिति को देखते हुए आर्थिक उदारीकरण शुरू करने की वकालत की थी। इसमें कोई दो राय नहीं कि आर्थिक सुधारों के कारण ही आज भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। उन्हीं सुधारों के कारण तब के 270 अरब अमेरिकी डॉलर से चलते-चलते आज भारत की अर्थव्यवस्था (जीडीपी) चार खरब अमेरिकी डॉलर के आसपास पहुंच चुकी है। यद्यपि बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की रेस में जीडीपी को आधार बनाया गया है जबकि दूसरा पक्ष यह है कि प्रति व्यक्ति आय के हिसाब से विकसित होने में हमने खुद ही 2047 तक का समय सोचा है। जिस इंग्लैंड को पछाड़कर भारत दुनिया की पांचवी बड़ी अर्थव्यवस्था बना है प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत उससे बहुत नीचे है।

अभी हमारी प्रति व्यक्ति आय लगभग 2100 डॉलर है जबकि आज उच्च आय वाला देश उसे माना जाता है जहां प्रति व्यक्ति आय 12000 डॉलर से अधिक हो। यानी अभी हम उच्च आय वाले देश के छठवें हिस्से के बराबर है। विश्व बैंक के अनुसार प्रति व्यक्ति आय के मामले में दुनिया के 197 देशों की सूची में भारत का स्थान 142 वें पायदान पर है।

आर्थिक सुधार और विकास की तेज रफ्तार के जरिए

भारत का लक्ष्य 2047 तक अपनी अर्थव्यवस्था को आज से 10 गुना अधिक का बनाना है। आर्थिक जानकारों के मुताबिक इसके लिए हमें 8त्न से ऊपर की जीडीपी वृद्धि दर हासिल करनी होगी। चालू वर्ष की तीसरी तिमाही में यह लक्ष्य देश ने हासिल किया है, मगर जब हम वित्तीय वर्ष की आर्थिकी का लेखा-जोखा करते हैं और इसकी संभावनाओं को टटोलते हैं तो कुछ विलोम स्थितियां न सिर्फ सचेत करती हैं बल्कि नित नए आंकड़े चौंकाते भी हैं।

मोटे तौर पर विकसित देश बनने के लिए जरूरी है कि देश के नागरिकों का जीवन स्तर अच्छा हो, उनको गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य और शिक्षा की सुविधा मिल रही हो और नागरिकों की जीवन प्रत्याशा 75 वर्ष से अधिक हो। संयुक्त राष्ट्र के मानव विकास सूचकांक में भारत की रैंकिंग 132वीं है जबकि दुनिया के बेहतरीन शिक्षण संस्थानों के मामले में भारत 149 वें स्थान पर है। विज्ञान की पढ़ाई में भारत की युवा पीढ़ी लगातार पिछड़ रही है। शोध में पैसे की कमी से प्रतिभा पलायन बड़ी समस्या के रूप में उभरी है। डिजिटल भारत के साथ-साथ स्टार्टअप और स्वरोजगार के नारों के बावजूद देश में बेरोजगारी और महंगाई बदस्तूर कायम है। आर्थिक विषमता की खाई भी लगातार चौड़ी हो रही है।

भारत में साल दर साल अति समृद्ध लोगों की संख्या में वृद्धि हो रही है। वर्ष 2023 में इनकी संख्या सालाना आधार पर बढ़कर 13263 हो चुकी है। द वेल्थ रिपोर्ट 2024 के मुताबिक देश में समृद्धि के चलते अति उच्च नेटवर्थ वाले लोगों की संख्या 2028 तक बढ़कर 20 हजार हो जाएगी। इस वर्ग में ऐसे लोगों को परिभाषित किया जाता है जिनकी कुल संपति 3 करोड डॉलर या उससे ज्यादा है। आक्सफैम के अनुसार भारत में सिर्फ 9 अमीरों की संपत्ति 50त्न गरीब आबादी की संपति के बराबर है।

सकारात्मक रूप से देखें तो समृद्धि बढ़ने का लाभ निचले पायदान तक पहुंचता है, मगर व्यावहारिक तौर पर वह रिस कर ही पहुंचता है। धन एकत्र करने वालों में कुछ ही लोक कल्याण की भावना से काम करते हैं, उनकी कंपनियां न सिर्फ अत्यधिक लाभ कमाती हैं बल्कि वह विभिन्न लाभकारी योजनाओं में निवेश के गुण भी जानते हैं। कहने को तो हमारी सरकार ने नया शिगूफा छोड़ा है कि अति गरीबों की संख्या सिकुड़ कर अब तीन प्रतिशत पर आ चुकी है, 25 करोड लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाल दिया गया है, मगर देश में जहां भी नजर घुमाएं तो गरीबी, अभाव, अशिक्षा, कुपोषण और दरिद्रता सहज ही नजर आती है।

गिनती के समृद्ध लोगों के साथ देश में 5 किलो राशन प्राप्त कर रही लगभग 81 करोड़ की बड़ी आबादी की तुलना नहीं की जा सकती। अभी हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक, वित्त मंत्रालय और इंडियन एक्सिस बैंक की एक रिपोर्ट आई जिसमें बताया गया कि देश की शीर्ष 500 निजी कंपनियों का कारोबार 2023 में 231 लाख करोड़ के आसपास पहुंच गया है। इससे भी बड़ी बात यह है कि देश पूरे वर्ष में जो सकल घरेलू उत्पादन करता है यह उसका 71त्न बैठता है। ऐसे में जब एक बड़ा हिस्सा कुछ गिनी चुनी बड़ी कंपनियों को ही चला जाएगा तो देश में सबसे अधिक रोजगार देने वाले लघु और कुटीर उद्योगों का विकास कैसे होगा?

देश में मेधावी लोगों की कमी नहीं है। डिजिटल भारत में कृत्रिम मेधा के बल पर समस्याओं को दूर करने की क्षमता है। हमें आंकड़ों के स्वप्नजीवी माहौल से बाहर निकाल कर सच को स्वीकार करना चाहिए क्योंकि इससे आम आदमी का भला नहीं होने वाला है। अब जबकि आम चुनाव की दुंदुभी बजने को है, जरूरी आर्थिक मुद्दों को भी राजनीतिक चाशनी में लपेटकर परोसा जा रहा है।

आखिर क्या कारण है कि मौजूदा सरकार जहां आर्थिक सुधारों के जनक पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव को भारत रत्न से सम्मानित करती है, तो आर्थिक सुधारों की व्यवस्था करने वाले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कामकाज पर श्वेत पत्र लाकर न सिर्फ उंगली उठाती है बल्कि आर्थिक प्रगति में बाधा डालने का ठीकरा भी उन्हीं के कार्यकाल पर फोड़ती है?

नया नहीं है अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण

पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं से यौन उत्पीडऩ और जमीन हड़पने का आरोपी तृणमूल कांग्रेस का नेता शेख शाहजहां जिस तरह कोर्ट में पेश होता हुआ दिखाई दिया उससे उसको मिल रहे राजनीतिक संरक्षण से कोई इंकार नहीं कर सकता। इस कारण टी.एम.सी. नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आरोपों के घेरे में हैं। परंतु यहां सवाल उठता है कि ऐसी क्या मजबूरी होती है कि बिना अपवाद के सभी राजनीतिक पार्टियों को कुख्यात अपराधियों को संरक्षण देना पड़ता है? यह बात नई नहीं है कि भोले-भाले वोटरों के बीच भय पैदा करने के उद्देश्य से सभी राजनीतिक दल स्थानीय अपराधियों और माफियाओं को संरक्षण देते हैं। लोकतंत्र की दृष्टि से क्या यह सही है?

विनीत नारायण

जैसे ही संदेशखाली के आरोपी शेख शाहजहां के मामले ने तूल पकड़ा उसे टी.एम.सी. ने 6 साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। पार्टी के इस फैसले का ऐलान करते हुए टी.एम.सी. नेता डेरेक ओ' ब्रायन ने अन्य राजनीतिक दलों पर तंज कसते हुए कहा कि 'एक पार्टी है, जो सिर्फ बोलती रहती है। तृणमूल जो कहती है, वो करती है।' परंतु यहां सवाल उठता है कि यह काम पहले क्यों नहीं किया?

क्या कोर्ट में पेश होते समय शेख शाहजहां की जो चाल-ढाल थी उससे इस निष्कासन का कोई मतलब रह गया है? पश्चिम बंगाल की पुलिस शेख शाहजहां के साथ अन्य अपराधियों की तरह बर्ताव क्यों नहीं कर रही थी? क्या शेख शाहजहां का निलंबन केवल एक औपचारिकता है और असल में उसे भी अन्य राजनीतिक अपराधियों की तरह जेल में वे पूरी 'सेवाएं' दी जाएंगी जो हर रसूखदार कैदी को मिलती हैं?

जहां तक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सवाल है उन पर यह आरोप अक्सर लगते आए हैं कि वे अपने प्रदेश में अल्पसंख्यक वर्ग के अपराधियों को संरक्षण देती आई हैं। इतना ही नहीं कई बार तो वह ऐसे अपराधियों को अपनी पार्टी का कार्यकर्त्ता बताते हुए उसे पुलिस थाने से छुड़ाने भी गई हैं। यहां

सवाल उठता है कि जब भी कभी आप अपने घर या कार्यालय में किसी को काम करने के लिए रखने की सोचते हैं तो उसके बारे में पूरी छान-बीन अवश्य करते हैं। ठीक उसी तरह जब कोई राजनीतिक दल अपने वरिष्ठ कार्यकर्त्ता या नेता को कोई जिम्मेदारी देता है तो भी वह इसकी जांच अवश्य करते होंगे कि वह व्यक्ति पार्टी और पार्टी के नेताओं के लिए कितना कामगार सिद्ध होगा। यदि ममता बनर्जी जैसी अनुभवी नेता से ऐसी भूल लगातार होती आई है तो इसे भूल नहीं कहा जाएगा। वहीं अगर दूसरी ओर देखा जाए तो विपक्षी दलों का आरोप है कि भाजपा भी अपराधियों को संरक्षण देने में किसी से पीछे नहीं है। मामला चाहे महिला पहलवानों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले नेता बृजभूषण शरण सिंह का हो या किसानों पर गाड़ी चढ़ाने वाले गृह राज्यमंत्री के बेटे का हो या बलात्कार करने वाले कुलदीप सिंह सेंगर का हो। मणिपुर में हुई ड्क्षहसा और बलात्कार की दर्जनों घटनाएं हों। भाजपा शासित राज्यों में ड्क्षहसा, बलात्कार और अन्य अपराधों में लिप्त भाजपा के नेताओं की लिस्ट भी काफी लंबी है।

चुनाव सुधार पर काम करने वाले संगठन 'एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स' (ए.डी.आर.) की एक चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत मौजूदा सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें से 25 प्रतिशत हत्या, हत्या के प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आपराधिक मामलों में लिप्त हैं। बावजूद इसके उन्हें सांसद या विधायक बनाकर सदन में बिठा दिया जाता है।

इस रिपोर्ट में यह बताया गया है कि 763 मौजूदा सांसदों में से 306 सांसदों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इनमें से ही 194 सांसदों ने खुद पर गंभीर आपराधिक मामले होने की घोषणा अपने नामांकन प्रपत्र में की है। देश में अपराधियों को मिल रहे राजनीतिक संरक्षण पर आज तक अनेकों रिपोर्टें बनीं और उनमें इस समस्या से निपटने के लिए कई सुझाव भी दिए गए। परंतु अपराधियों, नेताओं और नौकरशाही के इस गठजोड़ के चक्रव्यूह को अभी तक भेदा नहीं जा सका। यदि कोई भी राजनीतिक दल ठान ले कि वह आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों को अपने दलों में संरक्षण नहीं देगा तो इस समस्या का समाधान अवश्य निकल सकता है।

जो भी राजनीतिक दल यदि केंद्र या राज्य में सत्ता में हों और यदि उसके समक्ष उसी के दल के किसी सदस्य या नेता के खिलाफ संगीन आरोप लगते हैं तो उन्हें इस पर उस दल के बड़े नेताओं को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। देश की अदालतों के हस्तक्षेप का इंतजार नहीं करना चाहिए। यदि कोई भी ऐसा दल अपने किसी कार्यकर्त्ता या नेता के खिलाफ कड़ा रुख अपनाएगा तो मतदाताओं की नजर में उस दल का कद काफी ऊंचा उठेगा। इसके साथ ही वह दल दूसरे दलों पर अपराधियों को संरक्षण देने के मामले में बढ़-चढ़ कर शोर भी मचा सकेगा।

इसके साथ ही भारतीय पुलिस तंत्र में भी ठोस सुधार किए जाने चाहिएं। देश के तमाम राजनीतिक दल भारत को अपराध मुक्त करने का दावा तो अवश्य करते हैं पर क्या इसे आचरण में लाते हैं?

क्या अपने-अपने दलों में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त करना और जनता के सामने अपराध मुक्ति के बड़े-बड़े दावे करना विरोधाभास नहीं है? यदि चुनाव आयोग या देश की सर्वोच्च अदालत कुछ कड़े कदम उठाए और राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि वाले व्यक्तियों पर पूरी तरह रोक लग जाए तो यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। परंतु ऐसा कब होगा देश के मतदाताओं को इसका इंतजार रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

अमिताभ बच्चन के पास हैं –डीपी वायर्स कंपनी के 298545 शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड इंडस्ट्री में कई ऐसे सुपरस्टार हैं जिनकी दिलचस्पी शेयर बाजार में है। कुछ एक्टर्स तो शेयर बाजार में निवेश कर कमाई भी कर रहे हैं। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन भी शेयर बाजार में दांव लगाकर कमाई करते हैं। अमिताभ बच्चन के पोर्टफोलियो में चर्चित शेयर-डीपी वायर्स का है। इस कंपनी में अमिताभ बच्चन की हिस्सेदारी एक फीसदी से ज्यादा की है। बीते शनिवार को स्पेशल ट्रेडिंग सेशन के दौरान डीपी वायर्स के शेयर पर निवेशक टूट पड़े थे। सप्ताह के इस आखिरी कारोबारी दिन शेयर की कीमत 538.10 रुपये थी। एक दिन पहले की क्लोजिंग के मुकाबले शेयर में 2.09 प्रतिशत की तेजी थी। ट्रेडिंग के दौरान शेयर की कीमत 548 रुपये तक गई थी। बता दें कि 17 नवंबर 2023 को शेयर की कीमत 677.80 रुपये तक गई थी। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई भी था। हालांकि, इसके बाद मुनाफावसूली आई और फरवरी 2024 में शेयर 452 रुपये तक लुढ़का। यह शेयर के 52 हफ्ते का निचला स्तर है। बिग बी के नाम से मशहूर अमिताभ बच्चन के पास डीपी वायर्स के 2,98,545 शेयर हैं। यह 1.93 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। हालांकि सितंबर तिमाही के मुकाबले देखें तो अमिताभ बच्चन ने अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। सितंबर 2023 तिमाही में डीपी वायर्स के शेयरहोल्डिंग पैटर्न के अनुसार अमिताभ बच्चन के पास कंपनी के 1,99,310 शेयर थे जो कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 1.47 प्रतिशत था। इससे पहले अप्रैल से जून 2023 तिमाही में अमिताभ बच्चन के पास डीपी वायर्स के 2,81,112 शेयर थे, जो कंपनी की कुल चुकता पूंजी का 2.07 प्रतिशत था। कहने का मतलब है कि अमिताभ बच्चन समय-समय पर इस शेयर में मुनाफावसूली भी करते रहे हैं।

विराट कोहली के दांव वाली कंपनी का आ रहा आईपीओ, सेबी की मंजूरी

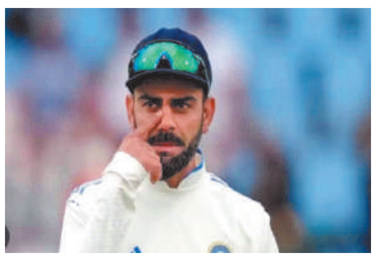

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार को रेग्युलेट करने वाली संस्था भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने गो डिजिट के आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को मंजूरी दे दी है। गो डिजिट के आईपीओ को दूसरे प्रयास में मंजूरी मिली है। बता दें कि गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस लिमिटेड को कनाडा स्थित फेयरफैक्स ग्रुप का समर्थन प्राप्त है। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) के मुताबिक गो डिजिट के प्रस्तावित आईपीओ में 1250 करोड़ के शेयरों का एक फ्रेश इश्यू है। इसके अलावा आईपीओ में प्रमोटर गो डिजिट इन्फोवर्क्स सर्विसेज और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 10.94 करोड़ शेयरों की बिक्री की पेशकश (ओएफएस) शामिल है। आईपीओ से प्राप्त आय का उपयोग कंपनी के पूंजी आधार को बढ़ाने, सॉल्वेंसी स्तर को बनाए रखने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। गो डिजिट के प्रमुख निवेशकों में क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी प प्रतिशती अनुष्का शर्मा भी शामिल हैं। इन दोनों सेलिब्रेटी ने फर्म में निवेश किया है।

टाटा मोटर्स का शेयर 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंचा

▶▶ कारोबार के दौरान आई करीब आठ फीसदी तेजी ▶▶ पीवी और सीवी बिजनस अलग-अलग करेगी कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स का शेयर आज करीब आठ फीसदी तेजी के साथ 52 हफ्ते के टॉप पर पहुंच गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी अपने पैंसेजर वीकल और कमर्शियल वीकल बिजनस को अलग करने जा रही है। इससे कंपनी के शेयरों में आज काफी तेजी दिखाई दी और यह 7.9 प्रतिशत तेजी के साथ 1065.60 रुपये पर पहुंच गया। यह इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर है। दोपहर बाद 1.45 बजे यह 3.17 प्रतिशत तेजी के साथ 1018.50 रुपये पर ट्रेड कर रहा था। इन्वेस्टर्स प्रस्तावित डिमर्जर से बेहतर वैल्यू डिस्कवरी की उम्मीद कर रहे हैं। यही वजह है कि कंपनी के शेयरों में तेजी देखी जा रही है। इस साल इसमें 30 फीसदी से अधिक तेजी आई है।

डिमर्जर में 12 से 15 महीने का समय लग सकता है। इसके बाद बनने वाली टाटा मोटर्स पीवी का पैंसेजर वीकल सेगमेंट में सीधा मुकाबला मारुति, हुंडई और महिंद्रा एंड महिंद्रा से होगा। इस सेगमेंट में मारुति लीडर है। दूसरी ओर सीवी यानी कमर्शियल सेगमेंट में टाटा मोटर्स के आगे अशोक लीलैंड की चुनौती होगी। जानकारों का कहना है कि डिमर्जर से टाटा मोटर्स के शेयरों में बेहतर वैल्यू डिस्कवरी देखने को मिलेगी। डिमर्जर के बाद कंपनी के शेयरहोल्डर्स को दोनों लिस्टेड कंपनियों में समान शेयरहोल्डिंग रहेगी।

कहां से आता है सबसे ज्यादा रेवेन्यू

एमके ग्लोबल के चिराग ग्लोबल ने कहा कि टाटा मोटर्स की डिमर्जर की योजना मैनेजमेंट के इस भरोसे को दिखाती है कि दोनों कंपनियां अलग–अलग काम कर सकती हैं। ऐतिहासिक रूप से देखें तो कमर्शियल वीकल बिजनस का कैश फ्लो बेहतर रहा है जबकि पैसेंजर वीकल सेगमेंट को चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। दिसंबर तिमाही में टाटा मोटर्स का रेवेन्यू 1.1 लाख करोड़ रुपये रहा था। कंपनी का मार्केट कैप करीब 3,39,237 करोड़ रुपये है जबकि घरेलू मार्केट में इसकी हिस्सेदारी 13.8 फीसदी है। लेकिन इसके रेवेन्यू में 70 फीसदी हिस्सेदारी जगुआर लैंड रोवर की है। कमर्शियल वीकल्स की 18 फीसदी और पैसेंजर वीकल्स की 12 फीसदी हिस्सेदारी है।

अनार की अच्छी पैदावार से किसान और व्यापारियों की बल्ले-बल्ले, दिल्ली की आजादपुर मंडी भी गुलजार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत में इस बार अनार की अच्छी पैदावार हुई है। अब अनार का एक्सपोर्ट अमेरिका समेत कई देशों में हो रहा है। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पिछले दिनों ङ्ग पर लिखा कि अमेरिका के लिए स्वाद और सेहत का उपहार, भारत से रवाना हुए रसदार अनार। कृषि निर्यात निकायएपीडा के मुताबिक 4,200 बक्शे (12.6 टन) अनार का शिपमेंट 28 फरवरी को भेजा गया है। दिल्ली में भी अच्छी क्वालिटी का अनार आ रहा है। आजादपुर मंडी में न्यू अनार मर्चेंट असोसिएशन के सदस्य प्रवीण बघाई ने बताया कि अनार की अच्छी पैदावार से किसान और व्यापारी दोनों उत्साहित हैं। इस समय कच्छ और भुज से अनार आ रहा है। फिर मई जून से महाराष्ट्र से आएगा, जो पूरे साल रहेगा। कच्छ-भुज से पहले राजस्थान से दिल्ली में अनार आ रहा था।

प्रवीण ने बताया कि 3-4 साल पहले महाराष्ट्र में काफी बरसात हुई। वहां के पेड़ पौधे खत्म हो गए। दो-तीन साल मार्केट में अनार कम हो गया था। बाद में किसानों ने अनार की फसल तैयार की। महाराष्ट्र के अनार की क्वालिटी भी काफी अच्छी मानी जाती है। इसका दाना बढ़िया होता है। इसी तरह राजस्थान का अनार भी पसंद किया जाता है। कच्छ-भुज के अनार का बीच छोटा और रसीला होता है। फिर भी एक्सपोर्ट क्वालिटी का माल महाराष्ट्र से जाता है। आजादपुर मंडी में अनार की औसतन 30 गाड़ियां रोजाना आ रही हैं। एक गाड़ी में 15 से 20 टन माल होता है। मंडी में 20 से 100 रुपये किलो अनार बेचा जा रहा है। रिटेल मार्केट में दुकानदार माल, क्षेत्र और ग्राहक के हिसाब से रेट तय करते हैं। आजादपुर मंडी में 80 से 100 आढ़ती हैं। द चेंबर ऑफ आजादपुर फ्रूट एंड वेजिटेबल असोसिएशन के महासचिव राजकुमार भाटिया ने बताया कि अच्छे साल में अच्छी फसल की बात करें, तो किसान को अनार की खेती में 3 से 5 लाख रुपये प्रति एकड़ की सकल आय प्राप्त होती है। ये किसी भी अन्य फसल से अधिक है। महाराष्ट्र के किसानों की समृद्धि में अनार और अंगूर प्रमुख हैं। देश में अनार की अलग-अलग किस्में महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात और हिमाचल प्रदेश में होती हैं। भगवा किस्म का अनार ज्यादा बिकता है। एक दशक में राजस्थान और गुजरात के तीन चार जिलों में अनार की फसल बढ़ी है। इससे पहले देशी अनार राजस्थान के कुछ क्षेत्रों और हरियाणा के हिसार में होता था। हिसार यूनिर्वसिटी से पौध हर जगह जाती थी, लेकिन इसकी खूबसूरती कम थी। फिर 80 के दशक में पूसा इंस्टीट्यूट ने अफगानिस्तान के विकल्प के रूप में अनार और अंगूर की खेती को महाराष्ट्र में बढ़ावा दिया था। हिमाचल की कुल्लू बेल्ट के अनार भी उत्तर भारत में कई जगह पहुंचते हैं। सीजन का साइकल नवंबर से अगस्त तक एक जैसा रहता है।

देश में अनार का क्षेत्रफल 2,76,000 हेक्टेयर, उत्पादन 31,03,000 मीट्रिक टन है। अनार की खेती मुख्य रूप से महाराष्ट्र के पुणे, अहमदनगर, पुणे, सांगली, सोलापुर और वाशिम में होती है। अभी महाराष्ट्र में अनार की फसल के तहत 73,027 हेक्टेयर क्षेत्र कवर है। वहीं राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, आंध्रप्रदेश, हरियाणा, पंजाब और कर्नाटक में इसकी खेती की जाती है।

62,280 मीट्रिक टन अनार का निर्यात

साल 2022-23 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), बांग्लादेश, नेपाल, नीदरलैंड, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, बाहरीन, ओमान सहित देशों में 58.36 मिलियन यूएस डॉलर मूल्य के 62,280 मीट्रिक टन अनार का निर्यात किया गया है। भारत दुनिया में अनार के उत्पादन में सातवें स्थान पर है।

कारोबारी गतिविधियों, बिक्री में नरमी के चलते फरवरी में सर्विस सेक्टर की वृद्धि सुस्त पड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। कारोबारी गतिविधियों, बिक्री और नौकरियों में नरमी के चलते भारत में फरवरी में सेवा क्षेत्र की वृद्धि सुस्त पड़ गई। एक मासिक सर्वेक्षण में मंगलवार को यह बात कही गई। मौसमी रूप से समायोजित एचएसबीसी इंडिया सेवा व्यवसाय गतिविधि सूचकांक फरवरी में 60.6 रहा, जो इससे पहले जनवरी में 61.8 था। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक का अर्थ है कि गतिविधियों में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाता है। एचएसबीसी की अर्थशास्त्री इनेस लैम ने कहा, भारत की सेवा पीएमआई से पता चलता है कि सेवा क्षेत्र में विस्तार की गति जनवरी के मुकाबले फरवरी में कम हो गई है।

सर्वेक्षण के मुताबिक फरवरी में व्यावसायिक गतिविधि सूचकांक में कमी आई लेकिन ऐतिहासिक रूप से यह मजबूत बना रहा। भारत में सेवा कंपनियों को विदेश से मिलने वाले नए कारोबार में लगातार तेरहवें महीने वृद्धि हुई। सर्वेक्षण के मुताबिक भविष्य की व्यावसायिक गतिविधि के लिए सेवा कंपनियों का पूर्वानुमान सकारात्मक रहा, हालांकि यह पहले के मुकाबले थोड़ा कमजोर पड़ गया।

इंश्योरेंस पॉलिसी लेने वालों को होगा फायदा, सरेंडर चार्ज में हो सकते हैं बदलाव

मुंबई, एजेंसी। इंश्योरेंस रेग्यूलेटर इरेडा प्रस्तावित सरेंडर चार्जेज को तर्कसंगत बनाने पर विचार करने के लिए तैयार हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, प्रस्तावित सरेंडर वैल्यू के दो पहलुओं पर इसे तर्कसंगत बनाने की दिशा में काम चल रहा है। लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री ने लॉग- टर्म, शॉर्ट-टर्म सरेंडर वैल्यू को अलग अलग करने की सिफारश की है। सूत्रों के अनुसार आईआरडीएआई सरेंडर वैल्यू को कैलकुलेन के लिए लिमिट में कटौती पर भी विचार कर सकता है। अगर लिमिट कम कर दी जाती है तो सरेंडर वैल्यू भी कम हो जाएगी। सूत्रों के मुताबिक बीमा नियामक की मार्च में होने वाली बोर्ड की बैठक में प्रस्तावित सरेंडर वैल्यू को तर्कसंगत बनाने के कदमों पर विचार किए जाने की संभावना है।

नए नियमों के प्रस्ताव के तहत बीमा कंपनियों को उन कस्टमर्स को भुगतान किए जाने वाले अमाउंट में बढ़ोतरी करनी होगी जो अपनी योजना को जल्दी बंद करने का विकल्प चुनते हैं। इससे निपटने के लिए बीमा कंपनियों के पास कम बिक्री या कम मुनाफे का विकल्प है। यदि बीमा कंपनी कमीशन में कटौती करके हाईयर पेआउट का विकल्प चुनती है, तो यह पॉलिसी की बिक्री को प्रभावित कर सकता है। यदि वे अपना कमीशन बनाए रखते हैं तो उन्हें पॉलिसी से मिलने वाली आमदनी का नुकसान होगा।

इस कदम का मकसद इंश्योरेंस कंपनियों को पहले साल में कमीशन के चक्कर में गलत बिक्री पर अंकुश लगाना है। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि बीमा कंपनी अपनी क्षमता को बनाए रखने के लिए अपनी पूरी कोशिश करें। कंपनियों की दलील कंपनियों की दलील प्रस्ताव में सरेंडर वैल्यू में ज्यादा बढ़ोतरी और सरेहर चार्ज में कमी की बात कही गई अगर ये लागू हुआ तो लाइक इश्योरेंस कंपनियों की तरफ से अपने पॉलिसीहोल्डर्स को दी जाने वाली सरेंडर वैल्यू लगभग दोगुनी हो सकती है। किसी बीमा पॉलिसी के सरेंडर करने पर इंश्योरेंस कंपनियां सरेंडर चार्ज काटती हैं, क्योंकि वे पॉलिसी बेचने की अपनी सभी कॉस्ट को पहले ही बुक करती है। ऐसे मामले है जब पहले वर्ष के प्रीमियम का 75 प्रतिशत अलग-अलग कॉस्ट पर जाता है। इनमें कॉरपोरेट एजेंट (आमतौर पर बैक या पर्सनल एजेंट को पे किया जाता है। एक दशक पहले रेगुलेटर ने यूलिप पर चार्ज की अधिकतम सीमा तय की थी।

आरबीआई के फैसले के बाद आईआईएफएल फाइनेंस के शेयर में लगा 20 प्रतिशत लोअर सर्किट

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय बैंक आरबीआई की कार्रवाई ने आईआईएफएल फाइनेंस के शेयरों पर तगड़ी स्ट्राइक की है। आरबीआई ने इसे तत्काल गोल्ड लोन बांटने से रोक दिया है जिसके चलते शेयरों को तगड़ा झटका लगा है। आज कारोबार की शुरुआत होते ही इसके शेयर 20 फीसदी टूटकर लोअर सर्किट पर आ गए। मार्केट में इसके शेयरों का एक भी खरीदार नहीं है जिसके चलते सर्किट खुल नहीं पा रहा है और यह 478.50 रुपए के भाव पर बना हुआ है। पिछले साल इसके शेयर 16 अक्टूबर 2023 को एक साल के हाई 704.20 रुपए और 14 मार्च 2023 को एक साल के निचले स्तर 408.40 रुपए पर थे।

आरबीआई ने क्यों की कार्रवाई

आरबीआई ने सुपरवाइजरी से जुड़ी चिंताओं के चलते आईआईएफएल फाइनेंस पर गोल्ड लोन बांटने पर रोक लगा दिया है। यह फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो चुका है। इस मामले में कंपनी ने सफाई पेश की है कि आरबीआई ने जो आपत्तियां जताई हैं, उस पर तुरंत एक्शन लिया जाएगा और गोल्ड लोन सर्विसेज में दिक्कत नहीं आने दिया जाएगा। आईआईएफएल फाइनेंस का गोल्ड लोन पोर्टफोलियो दिसंबर 2023 तिमाही में सालाना आधार पर 35 फीसदी उछलकर 24,692 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। यह देश के 25 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों के 2721 नगरों और शहरों में गोल्ड लोन मुहैया कराता है।

ब्रोकरेज का क्या है रुझान

वैश्विक ब्रोकरेज फर्म जेफरीज ने आरबीआई की कार्रवाई के बावजूद इसकी खरीदारी की रेटिंग को बरकरार रखा है। इसका टारगेट प्राइस 765 रुपए फिक्स किया है। ब्रोकरेज के मुताबिक आरबीआई ने स्पेशल ऑडिट और रेक्टिफिकेशन प्रोसेस के बाद आईआईएफएल फाइनेंस पर प्रतिबंध लगाया है जिससे इसकी कमाई पर निगेटिव असर पड़ सकता है।

बिटकॉइन की कीमत ऑल-टाइम हाई पर पहुंची

एक साल में 200 प्रतिशत चढ़ चुकी है यह क्रिप्टोकरेंसी

साल 2010 में मात्र 0.008 डॉलर थी इसकी कीमत

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे लोकप्रिय, सबसे पुरानी और सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन की कीमत सोमवार को ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई। 10 नवंबर, 2021 को 68,789 डॉलर पर पहुंचने के बाद इसकी कीमत में काफी गिरावट आई थी। लेकिन हाल के दिनों में इसमें काफी तेजी देखी जा रही है। सोमवार को ट्रेड के दौरान यह 68,791 डॉलर पर पहुंच गई। अमेरिका में कई बिटकॉइन ईटीएफ को मंजूरी मिली है जिसके बाद एक बार फिर निवेशकों का रुख इस ओर हुआ है। पहले 11 स्पॉट बिटकॉइन ईटीएफ जनवरी में लॉन्च हुए थे जो इस क्रिप्टोकरेंसी की रियल-टाइम मार्केट प्राइस को ट्रैक करते हैं।

बिटकॉइन की कीमत में पिछले एक साल में 200 परसेंट से अधिक तेजी आई है। क्रिप्टोकरेंसी मार्केट में बिटकॉइन की आधी से अधिक हिस्सेदारी है। बिटकॉइन दुनिया की सबसे पुरानी क्रिप्टोकरेंसी है। इसे 2009 में लॉन्च किया गया था। साल 2010 में इसकी कीमत 0.008 डॉलर थी। यानी एक डॉलर में आप 125 बिटकॉइन खरीद सकते थे। अगर तब आपने यह निवेश किया होता तो आज आपके निवेश की वैल्यू 81 लाख

डॉलर यानी 67,17,01,000 रुपये होती।

क्यों चढ़ रही है कीमत

बिटकॉइन में तेजी के कई कारण हैं। अमेरिका में हाल में कई बिटकॉइन ईटीएफ को मंजूरी मिली है। इसके बाद से इसके वॉल्यूम में गजब की तेजी आई है। आने वाले दिनों में बिटकॉइन को दो हिस्सों में बांटने की भी तैयारी है। साथ ही कई जियोपॉलिटिकल कारणों से इन्वेस्टर्स अपने पोर्टफोलियो को डाइवरसिफाई करना चाहते हैं। यही वजह है कि वे बिटकॉइन का रुख कर रहे हैं जिसे डिजिटल इन्वेस्टमेंट का सुरक्षित ठिकाना माना जाता है। बिटकॉइन के वर्चुअल क्रिएटर सतोशी नाकामोतो ने 28 अक्टूबर, 2008 को इसका व्हाइटपेपर जारी किया था लेकिन इसकी मिंट डेट तीन जनवरी, 2009 थी।

Uber Eats starts robot deliveries in Tokyo

Caution: robot!" chirps the green self-driving delivery vehicle as it trundles down the street to a pork cutlet restaurant in Tokyo to pick up a meal ordered on Uber Eats. Starting Wednesday, robot deliveries will be offered in a small area of the city by the US-based food app, which hopes to eventually roll out the service more widely in Japan. The country, facing growing labour shortages, changed traffic laws last year to allow delivery robots on public streets, and other companies including Panasonic are also trialling cute new machines to transport goods.

Uber Eats' bo&y robots have square headlights for eyes and three wheels on each side to navigate kerbs as they calculate routes on their own, using sensors to avoid pedestrians and other obstacles. Moving at up to z.y kilometres an hour (x.y mph) and with flashing lights around the lid, there's a human operator on standby in case of trouble. Like self-driving delivery services launched by the company in North America, the Tokyo robots will be limited in scope at first, said Uber Eats e&ecutive Alvin Oo. App users must wait outside for the robot to arrive, but one day it could come to their door, he told AFP on Tuesday. "Going all the way to the office floor, to the e&act apartment... could be useful in somewhere like high-rise Tokyo," said Oo, market operations director at Uber Eats Japan. The service could also one day come to rural areas, where many residents are elderly and drivers are scarce, he added. Current drivers "do not need to worry", Oo said, because "even in five, v® years' time, there will always be work for the human delivery partners on the platform". Uber Eats and similar apps faced strikes last month, and rideshare giant Uber has long been criticised for dodging minimum wage and holiday pay rules by arguing its workers are not employees but independent contractors. The Uber Eats robots, developed with Mitsubishi Electric and US start-up Cartken, will deliver food from just a few restaurants in the busy Nihonbashi district at first. Users cannot choose robot delivery, and if it is selected for them they can accept or decline the offer. At a demonstration on Tuesday, the robot nearly collided with a pedestrian, but also attracted lots of attention. It's "so cute, so eye-catching", said passer-by Akemi Hayakawa. "I thought it might bump into people's feet, but people give way to it," the {®-year-old said. "Japan has an ageing, dwindling population, with a serious labour shortage. So this is a very good idea for Japan too."

क्या आपको पता है पुलिस का फुल फॉर्म?

पुलिस ये एक ऐसा शब्द है, जिससे है व्यक्ति अपने बचपन से ही परिचित होता है। सभी जानते हैं कि देश के किसी भी क्षेत्र में होने वाले अपराधों से निपटने में पुलिस अहम भूमिका निभाती है और सुरक्षित समाज के निर्माण का एक महत्वपूर्ण हिस्सा साबित होती है। पुलिस के कर्तव्यों और उनसे मिलने वाली मदद से तो लगभग हर कोई परिचित है लेकिन क्या आप जानते हैं कि बाकी पदों की तरह आखिर पुलिस का फुल फॉर्म क्या होता है। जाहिर सी बात है बहुत कम लोगों को इस बारे में जानकारी होगी।

सुरक्षित समाज की निर्माता

पुलिस एक ऐसा सुरक्षा बल है, जो देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर पल डटकर खड़ा रहता है। जिस तरह से सेना देश की सीमा पर खड़े होकर बाहरी दुश्मनों से हमारी रक्षा करती है। ठीक उसी तरह से आंतरिक क्षेत्र में मौजूद अनैतिक गतिविधियों से निपटकर, अपराधियों को पकड़ कर समाज और लोगों की रक्षा करती है।

सितारे दर्शाते हैं पद

पुलिस में महिला और पुरुषों दोनों की ही भर्ती होती है जिन्हें आरक्षी और आरक्षक कहा जाता है। पद के हिसाब से वर्दी पर सितारे अंकित किए जाते हैं। जो ये दर्शाते हैं कि किस पुलिस अधिकारी के पास विभाग का कौन सा पद है। पुलिस विभाग में कार्यरत कांस्टेबल से लेकर उच्च श्रेणी तक के सभी अधिकारियों का काम देश की आंतरिक सुरक्षा होता है।

जनता की सहायक

पुलिस विभाग में काम करने वाले कर्मचारियों को देश की सुरक्षा और कानूनों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार होता है। देश की कानून व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखना और किसी मामले में परेशान व्यक्ति की मदद करना पुलिस का मुख्य काम है और कोई भी इनसे मदद ले सकता है। किसी भी समस्या से परेशान चल रहा व्यक्ति अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन पर जाकर रिपोर्ट दर्ज करवा सकता है।

पुलिस का पूरा नाम

भारत में पुलिस विभाग की शुरुआत अंग्रेजों द्वारा की गई थी और उसके बाद से आज तक यह देश की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था का प्रमुख अंग है। पुलिस का फुल फॉर्म पब्लिक ऑफिसर फॉर लीगल इन्वेस्टिगेशन एंड क्रिमिनल इमरजेंसी होता है। नाम से ही जाहिर है कि ये सुरक्षा बल जनता की सहायता के लिए काम करता है।

ये है दुनिया की 5 अनोखी किताबें, एक है सबसे छोटी तो एक की कीमत है 200 करोड़

किताबें मनुष्य के जीवन का सबसे अहम और जरूरी हिस्सा है जिसका इंसानी सभ्यता से सदियों पुराना नाता है। किताबों में वर्णित चीजों और ज्ञान से ही व्यक्ति को अपने इतिहास की जानकारी मिलती है और यही वर्षों से इंसानी सभ्यता के आगे बढ़ने की वजह रही है।

दुनिया में अनगिनत किताबें मौजूद हैं। इसमें धार्मिक से लेकर ऐतिहासिक, वैज्ञानिक और अन्य विषयों की पुस्तक है, जिनसे मनुष्य सीखता समझता आया है। लेकिन इनमें से कुछ किताबें ऐसी हैं जो बहुत ही अजीबोगरीब है। आज हम आपको कुछ ऐसी ही पुस्तकों की जानकारी देते हैं। दुनिया की इन अनोखी किताबों के बारे में जानकर आपको हैरानी जरूर होगी।

कोडेक्स लेस्टर

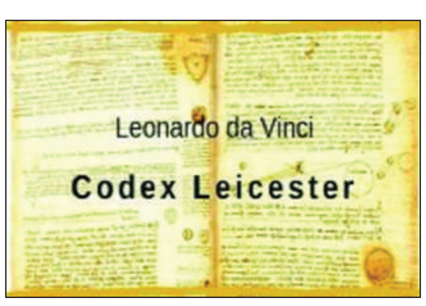

यह दुनिया की सबसे महंगी किताब है। आज के समय में अगर भारतीय रुपयों में इसकी कीमत की बात करें तो वह 200 करोड़ से ज्यादा है। 15 वीं शताब्दी में इस किताब को लियोनार्डो द विंची ने लिखा था। 1994 में बिल गेट्स ने इसे 3.08 करोड़ डॉलर में खरीदा था।

मिस मारपेल कलेक्शन

अगाथा क्रिस्टी की लिखी हुई मिस मारपेल दुनिया की सबसे मोटी किताब है। 8 किलोग्राम वजन किस किताब में 4032 पन्ने है।

शिकी नो कुसाबाना

यह दुनिया की सबसे छोटी किताब है जो महज 22 पन्नों की है और इसका आकार 0.74 बाय 0.75 है। इसे जापानी भाषा में लिखा गया है और पढ़ने के लिए ग्लासेस का इस्तेमाल करना होता है।

डायमंड सूत्रा

दुनिया की सबसे पहली और पुरानी प्रिंटेड किताब डायमंड सूत्रा है। बुद्ध और उनके शिष्यों के बीच में संवाद की व्याख्या करने वाली इस पुस्तक को 868 वीं ईस्वी में जापान में छपाई तकनीकी विकसित होने के बाद छापा गया था।

बाइबिल

दुनिया में अगर अब तक सबसे ज्यादा किसी किताब को पढ़ा गया है, तो वह ईसाई धर्म का ग्रंथ बाइबिल है। दुनिया भर में इस ग्रंथ की अलग-अलग भाषाओं में ढाई से लेकर 5 अरब प्रतियां मौजूद है।
गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली किताब का रिकॉर्ड दिया है।

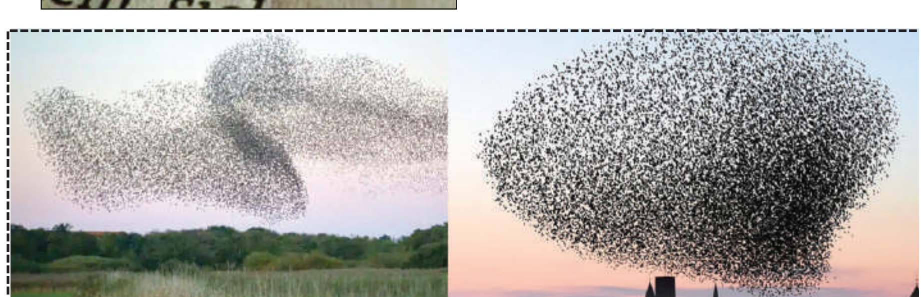

प्रकृति का अद्भुत नज़ारा है डेनमार्क का 'ब्लैक सन'

क्या हो जब हजारों पक्षी एक साथ झुंड बनाकर आसमान में उड़ रहे हों? ये नजारा देखने के लिए डेनमार्क में लोगों की भीड़ पड़ती है क्योंकि हज़ारों पक्षियों का एक साथ उड़ना किसी 'काले सूरज' जैसा प्रतीत होता है। जी हां, डेनमार्क का 'ब्लैक सन' इसलिए ही कहा जाता है क्योंकि यहां सूरज ढलने के समय एक साथ हजारों पक्षी उड़ान भरते हुए नज़र आते हैं। वे आसमान में अलग-अलग के फॉर्मेशन बनाते हुए दिखते हैं। इसके साथ ही कई बार वे सूरज को पूरी तरह से ढंक देते हैं। ये नज़ारे जुटलैंड में वैडन सी के बाद राइब आइलैंड में या टोंडर मार्शलेंड्स में देखने को मिलते हैं। मौसम की स्थिति पर निर्भर करता है कि ये नज़ारा कितनी देर तक दिखेगा। वैसे आमतौर पर 20-30 मिनट ये अनोखा अनुभव लिया जा सकता है। मार्च से अप्रैल के बीच और सितंबर से अक्टूबर के बीच, दो बार यह अद्भुत दृश्य देख सकते हैं।

ये है दुनिया की सबसे महंगी डॉग ब्रीड्स, खरीदने की लिए खर्च करने होंगे लाखों रुपए

लोगों के बीच जब भी वफादारी की बात निकलती है तो हर किसी की जुबान पर सबसे पहले कुत्ते का नाम सामने आता है। आए भी क्यों ना क्योंकि इन्हें सदियों से सबसे वफादार जानवर के रूप में पहचाना जाता है। इंसान के इस सबसे करीबी दोस्त कि कई तरह की नस्लें दुनिया भर में मिलती है। लोग अपनी पसंद के अनुसार इन्हें अपने घर का सदस्य बनाना पसंद करते हैं।
दुनिया में अलग अलग किस्म की कई डॉग ब्रीड हैं, जिन्हें बहुत पसंद किया जाता है। यह सब अपनी अलग-अलग खासियतों के चलते पहचाने जाते हैं। कोई अपने लंबे तो कोई छोटे कद के लिए प्रसिद्ध है। तो कोई क्यूटनेस के चलते लोगों के बीच पहचाना जाता है। आज हम आपको दुनिया की सबसे महंगी ब्रीड बारे में बताते हैं जिन्हें खरीदने के लिए बड़ी रकम खर्च करना होगी।

तिब्बतन मस्तिफ डॉग

तिब्बतन मस्तिफ तिब्बत में पाया जाने वाला एक डॉग है। इसके शरीर पर बाल काफी ज्यादा होते हैं और दूर से देखने पर यह बब्बर शेर की तरह नजर आता है। इसकी कीमत की बात की जाए तो वह लगभग 11 करोड़ रूपए है।

फराओ हाउंड

ये डॉग्स देखने में काफी मासूम लगते हैं। इस ब्रीड में मेल डॉग की हाइट फीमेल डॉग से ज्यादा लंबी होती है। इनकी आंखे और कान सबसे ज्यादा अट्रैक्टिव होते हैं। इनकी कीमत 5 लाख रुपए है।

रॉटविलर

यह दुनिया भर में डॉग की सबसे फेमस प्रजाति है और इसे पुलिस में भी शामिल किया जाता है। यह प्रजाति कई देशों की पुलिस के साथ मिलकर अपराधियों को पकड़ने का काम कर रही है। इसे खरीदने के लिए पोने दो लाख खर्च करने होंगे।

जर्मन शेफर्ड

सबसे महंगे डॉग की इस लिस्ट में जर्मन शेफर्ड नस्ल भी शामिल है। जो देखने में तो खतरनाक लगते हैं लेकिन यह काफी फ्रेंडली भी होते हैं।

अकिता

इस नस्ल के डॉग नॉर्थ जापान के पहाड़ों पर पाई जाने वाली बड़े डॉग्स की ब्रीड है। इनकी कीमत 32 हजार से शुरू होती है, जो 2 लाख तक जाती है।

चाउ चाउ

यह चीनी नस्ल का डॉग है जो देखने में बहुत सुंदर लगता है। इसका मुंह छोटा सा होता है, जो बालों के बीच छिप जाता है। इसे खरीदने के लिए आपको 2 लाख रुपए खर्च करने होंगे, जो इनकी शुरुआती कीमत है।

एस्किमो

ये कैनेडियन नस्ल का डॉग है। इनका मुंह थोड़ा लम्बा होता है और ये बच्चों के साथ काफी फ्रेंडली होते हैं। इनकी कीमत 4 लाख से शुरू होती है।

सालुकी

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में इस ब्रीड को सबसे पुराना बताया जाता गई। इन डॉग्स की हाइट काफी लंबी होती है और ये स्लिम होते हैं। इनका चेहरा और कान भी लंबे होते हैं। इस डॉग की शुरुआती कीमत भी लाखों रुपए है।

बीते 32 सालों से अमेरिका के एक प्लेन के गायब होने और उसके वापस लौटने की कहानी दुनियाभर में मीडिया की सुर्खियां बन चुकी हैं। कहानी कुछ यूं है कि 1955 में पैन अमेरिका का एक प्लेन फ्लाइट नंबर- 914 उड़ान के दौरान अचानक गायब हो गया। लेकिन वह प्लेन ठीक 37 साल बाद 1992 में लैटिन अमेरिकी देश वेनेजुएला की राजधानी काराकास के एयरपोर्ट पर लैंड करता है। लेकिन हाल ही में कई फेक खबरों का सच जानने वाली न्यूज साइट्स ने इस पूरी कहानी पर से पर्दा उठाया है।

37 साल से गायब विमान अचानक एयरपोर्ट पर किया लैंड सालों पहेली बनी इस खबर का सच

रहस्यों से दुनिया भरी पड़ी है, लेकिन कुछ ऐसे रहस्य जिनको समझ पाना बेहद मुश्किल लगता है। दुनियाभर में कई ऐसे रहस्य हैं जिनकी गुत्थी आज तक वैज्ञानिक भी नहीं सुलझा पाए हैं। इस कड़ी में हम आपको एक ऐसे रहस्य के बारे में बताएंगे जिनके बारे में जानकर आप हैरान रह जाएंगे। इसके साथ ही इस रहस्य पर यकीन करना भी नामुमकिन लगता है। दुनिया के बड़े-बड़े वैज्ञानिक भी इस रहस्य की वजह से हैरत में पड़ गए थे। करीब 67 साल पहले सन 1955 में भी एक ऐसी ही रहस्यमयी घटना घटी थी। यह घटना अमेरिका के एक ऐसे रहस्यमयी विमान से जुड़ी है जिसने उड़ान भरने के करीब 30 साल बाद दूसरे देश में लैंड किया था। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यह विमान लैंड करने के बाद फिर लापता हो गया।
मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जाता है कि 2 जुलाई 1955 को फ्लाइट 914 ने अमेरिका के न्यूयॉर्क से मयामी के लिए उड़ान भरा था जिसमें कुल 57 यात्री और 6 क्रू मेंबर्स थे। लेकिन सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि न्यूयॉर्क से उड़ान भरे के बाद और मयामी पहुंचने से पहले ये जहाज आसमान में ही लापता हो गया। अमेरिका ने उस दौरान इस जहाज को खोजने की बहुत कोशिश की, लेकिन उसके बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई। इस समय हवाई जहाज को न्यूयॉर्क से मयामी जाने में करीब साढ़े तीन घंटे लगते हैं। 1955 में विमान से न्यूयॉर्क से मयामी जाने में अधिक से अधिक पांच घंटे का समय लगता था।
उस समय पूरी दुनिया में हैरत में पड़ गई जब साल 1955 में लापता विमान फ्लाइट 914, 30 साल बीतने के बाद 9 मार्च 1985 को रहस्यमयी तरीके से वेनेजुएला के कारकास एयरपोर्ट पर लैंड किया। इस विमान बारे में एर ट्रैफिक कंट्रोल को भी कोई जानकारी नहीं थी। लैंडिंग के कुछ ही देर बाद इस विमान ने फिर से फिर उड़ान भरी और आसमान में गायब हो गया।
मीडिया रिपोर्ट्स मुताबिक, काराकास एयरपोर्ट पर जहाज के लैंडिंग के बाद पायलट ने वहां के स्टाफ से पूछा कि यह कौन सा साल है? ग्राउंड स्टाफ ने पायलट को बताया कि यह साल 1985 है। यह सुनते ही विमान के पायलट लंबी लंबी सांस लेने लगे और कहा किओह! माई गॉड। इसके बाद विमान ने एक बार फिर उड़ान भरी और आसमान में लापता हो गया।
21 मई 1992 में अमेरिका के एक लोकल न्यूज पेपर प्लेन के गायब होने और वापस आने की खबर पब्लिश करता है। यहीं से इसकी शुरुआत होती है। हैडलाइन थी प्लेन की पहेली। नीचे लिखा होता था, 1955 में उड़ान भरने वाला प्लेन 1985 में वापस आया। खबर आग की तरह फैलती है। लोग इसपर भरोसा करने लगते हैं। अफवाहों का दौर शुरू हो जाता है, कहा जाता है कि प्लेन बरमुडा ट्राएंगल से वापस लौटकर आ गया तो कुछ इसे दूसरी दुनिया से जोड़कर देखने लगते हैं।

दुनिया में आग की तरह फैली खबर

न्यूज पेपर में पब्लिश होने के बाद ये खबर दुनियाभर में फैल जाती है। इंटरनेट पर लोग इसे अलग-अलग तरीके से पेश करते हैं। कुछ लोग सवाल उठते हैं कि आखिर इतने समय से ये प्लेन कहां था? अगर ये उड़ रहा था?, तो इसका ईंधन खत्म क्यों नहीं हुआ?, क्या ये किसी खुफिया मिशन पर था?, इन तमाम कयासों के बीच खबर आती है कि प्लेन के ब्लैक बॉक्स से मिली वॉयस रिकॉर्डिंग इस बात का सबूत है।

बातचीत रिकॉर्डिंग को बताया जाता है सबूत!

पायलट कहता है, हम कहां है? एयर ट्रैफिक कंट्रोल से आवाज आती है, ये वेनेजुएला है, आप कहां से आए हैं? पायलट जवाब देता है, हम न्यूयॉर्क से आए हैं और ये फ्लाइट नंबर-914 है, मियामी फ्लोरिडा के लिए। कंट्रोल पैनल से आवाज आती है, तुम इतनी बड़ी गलती कैसे कर सकते हो? तुम 2000 किलोमीटर गलत कैसे आ गए? इसके बाद कंट्रोल पैनल पर बैठा शख्स डायरी चेक करता है, तो पता चलता है कि जिस प्लेन का जिक्र किया जा रहा है, उसने 1955 में आखिरी उड़ान भरी थी। कंट्रोल पैनल कंफ्यूजन में प्लेन को उतरने की इजाजत देता है। बताया जाता है कि जब अफसर उसकी जांच के लिए पहुंचते हैं, तब तक प्लेन गायब हो जाता है।

क्या है इसका सच

हालांकि इस खबर को फर्जी होने की वजह किसी भी प्रॉमिनेंट न्यूजपेपर ने पब्लिश नहीं किया। ये कहानी पूरी तरह से महज एक कल्पना थी।

आईपीएल से पहले धोनी ने दिए नए रोल के संकेत

नईदिल्ली, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग-2024 के मौजूदा सीजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। चेपॉक स्टेडियम में शनिवार को फ्रेंचाइजी का ट्रेनिंग कैंप शुरू हो गया है। तेज गेंदबाज दीपक चाहर सहित आधा दर्जन प्लेयर्स इस कैंप का हिस्सा हैं, जबकि ऋतुराज गायकवाड चेन्नई पहुंच चुके हैं।

हालांकि, धोनी के पहुंचने की पुष्टि नहीं हो सकी है। धोनी कुछ दिन पहले जामनगर में साक्षी के साथ मुकेश अंबानी के सबसे छोटे बेटे अनंत अंबानी की प्री-वेडिंग सेरेमनी में देखा गया था। आईपीएल का मौजूदा सीजन 22 मार्च से शुरू होगा। बीसीसीआई ने लीग के पहले फेज का शेड्यूल जारी कर दिया है। इस सीजन का ओपनिंग मैच डिफेंडिंग चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच चेन्नई में खेला जाएगा।

धोनी गुजरात के खिलाफ आईपीएल 2023 के पहले ही मैच में चोटिल हो गए थे। गुजरात की पारी के 19वें ओवर में दीपक चाहर की गेंद को रोकने के लिए धोनी ने डाइव लगाई, जिसके बाद धोनी कराहते नजर आए। उन्होंने तुरंत ही अपना पैर पकड़ लिया था। वह किसी तरह खड़े हो गए। कुछ देर धोनी परेशान नजर आए। उसके बाद उन्होंने विकेट कीपिंग जारी रखी। धोनी की यह फोटो गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के पहले मैच की है। जब गुजरात की पारी के आखिरी ओवर में धोनी डाइव लगाने के दौरान चोटिल हो गए थे।

31 की उम्र में खत्म किया शानदार करियर

शटलर बी साई प्रणीत ने किया संन्यास का एलान

नई दिल्ली, एजेंसी। 31 वर्षीय बी साई प्रणीत ने अपने शानदार करियर को समाप्त करने का एलान सोमवार को इंस्टा के जरिए किया। भावुक पोस्ट के जरिए स्टार शटलर ने नई पारी की शुरुआत की भी जानकारी दी। भारतीय बैडमिंटन स्टार बी साई प्रणीत ने रविवार को संन्यास का एलान कर दिया।

31 वर्ष की उम्र में स्टार शटलर ने अपने करियर को समाप्त कर दिया। प्रणीत ने 2019 में विश्व चैंपियनशिप के दौरान कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था। 36 साल बाद इस उपलब्धि को हासिल करने वाले वह पहले भारतीय बने। इससे पहले 1983 में प्रकाश पादुकोण ने कांस्य पदक जीता था। हैदराबाद के स्टार खिलाड़ी ने अपने शानदार करियर को खत्म करने की घोषणा सोशल मीडिया के जरिए की। उन्होंने अपने इंस्टा अकाउंट पर एक पोस्ट किया। इसमें प्रणीत ने लिखा, भावनाओं के मिश्रण के साथ, मैं विदाई देने और उस खेल से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा करने के लिए इन शब्दों को लिख रहा हूं जो 24 वर्षों से अधिक समय से मेरी जीवनधारा रहा है।

अगले महीने प्रणीत एक नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। वह अमेरिका में ट्रायंगल बैडमिंटन अकादमी के मुख्य कोच के रूप में अपनी सेवाएं देते नजर आएंगे। इसके उन्होंने आगे लिखा, आज, जब मैं एक नए अध्याय की शुरुआत कर रहा हूं, मैं खुद को उस यात्रा के लिए कृतज्ञता से अभिभूत पाता हूं जो मुझे यहां तक लाई है।

बैडमिंटन, आप मेरा पहला प्यार रहे हैं, मेरे निरंतर साथी रहे हैं, मेरे चरित्र को आकार दिया है और मेरे अस्तित्व को उद्देश्य दिया है। जो यादें हमने साझा की हैं, जो चुनौतियाँ हमने पार की हैं, वे हमेशा मेरे दिल में अंकित रहेंगी।

महिला प्रीमियर लीग 2024

स्मृति मंधाना, पेरी के अर्धशतकों ने आरसीबी को यूपी वॉरियर्स पर जीत दिलाई

बेंगलुरु, एजेंसी। यहां के चिन्नास्वामी स्टेडियम में सोमवार को महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के सीजन 2 के मैच में कप्तान स्मृति मंधाना और एलिसे पेरी के अर्धशतकों और उनके गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने यूपी वारियर्स को 23 रनों से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरीं स्मृति मंधाना ने 50 गेंदों में 10 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 80 रन बनाए, जबकि पेरी ने 37 गेंदों में चार चौकों और इतने ही छक्कों की मदद से 58 रन बनाए, जिससे रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 20 ओवरों में 198/3 रन बनाए।

जवाब में यूपी वारियर्स ने अच्छी शुरुआत की, लेकिन एलिसा हीली (38 गेंद में 55 रन, 7×4, 3×6) के अर्धशतक, दीप्ति शर्मा की 22 गेंद में 33 रन और पूनम खेमनार की 24 गेंद में 31 रन की पारी के बावजूद टीम 175/8 रन ही बना सकी। 20 ओवर में स?कोर 23 रन रहा।इस जीत के साथ, आरसीबी के दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के समान छह अंक हो गए, लेकिन नेट रन रेट के आधार पर वह तालिका में तीसरे स्थान पर रही। यूपी वारियर्स की पांच मैचों में तीसरी हार है।वारियर्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए कहा। आरसीबी ने शानदार शुरुआत की। स्मृति मंधाना और सब्बिनेनी मेघना ने छठे ओवर में शुरुआती विकेट के लिए 51 रन बनाए।

इससे पहले मेघना 28 रन बनाकर अंजलि सरवानी की गेंद पर चमारी अथापथु को कैच दे बैठीं। 29 रन पर अथापथु ने उनका विकेट गिरा दिया और एक स्टंपिंग मौका भी बच गया। अथापथु और राजेवश?वरी गायकवाड़ ने एक-एक छक्का लगाया और दीप्ति शर्मा की गेंद पर चौका लगाया और 34 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया।स्मृति ने अपना आक्रमण जारी रखा और 15वें ओवर में श्रीलंकाई ऑलराउंडर पर तीन चौके लगाए, जिनमें से दो बैक-टू-बैक थे। अगले ओवर में उन्होंने के अंजलि सवानी को एक ओवर में तीन चौके लगाकर उसी खतरे का सामना किया। लगातार गेंदों पर दो चौके लगाए - दूसरा सोफी एक्लेस्टोन की पकड़ से दूर सीमा रेखा के पार चला गया।

आरसीबी की कप्तान ने एलिसे पेरी के साथ दूसरे विकेट के लिए 96 रन जोड़े, जिन्होंने सरवानी की गेंद पर चौका लगाकर अपनी पारी की शुरुआत की और 18वें ओवर में राजेवश?वरी की गेंद पर लगातार छक्के लगाए। अंतिम ओवर की पहली गेंद पर एक्लेस्टोन का शिकार बनने से पहले उन्होंने दीप्ति शर्मा की गेंद पर छक्का भी लगाया।199 रनों का पीछा करते हुए, यूपी वारियर्स ने अच्छी शुरुआत की और एलिसा हीली और किरण नवगिरे ने पहले विकेट के लिए 47 रन जोड़े। हालांकि, चमारी अथापथु (8), ग्रेस हैरिस (5) और श्वेता सहरावत (1) सस्ते में आउट हो गईं और मध्य चरण में यूपी की टीम 89/4 पर लुढ़क गई।

जब हीली 55 रन पर आउट हुईं, तो वारियर्स 13वें ओवर में 113/5 पर थीं। दीप्ति शर्मा और पूनम खेमनार ने संघर्ष जारी रखा, लेकिन उनके प्रयास व्यर्थ साबित हुए।आरसीबी के लिए सोफी डिवाइन, सोफी मोलिनेक्स, जॉर्जिया वेयरहैम और आशा शोभना ने दो-दो विकेट लिए।संक्षिप्त स्कोर ऱॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने 20 ओवर में 198/3 (स्मृति मंधाना 80, एलिसे पेरी 58, एस मेघना 28; सोफी एक्लेस्टोन 1-22) ने यूपी वारियर्स को 20 ओवर में 175/8 से हराया (एलिसा हीली 55, दीप्ति शर्मा 33, पूनम खेमनार 31, सोफी डिवाइन 2-37, सोफी मोलिनक्स 2-29, जॉर्जिया वेयरहैम 2-38, आशा शोभना 2-29) 23 रन से।

भारतीय टेबल टेनिस टीमों ने रचा इतिहास

पहली बार ओलंपिक का कटाया टिकट

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष और महिला टीम ने सोमवार को अपनी विश्व रैंकिंग के आधार पर पहली बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर इतिहास रच दिया। पिछले महीने बुसान में विश्व टीम चैम्पियनशिप पेरिस ओलंपिक के लिए अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट थी और इसके समापन के बाद टीम स्पर्धाओं में सात स्थान बचे थे जिनके लिए टीमों

को उनकी रैंकिंग के आधार पर चुना गया।

''ताजा विश्व टीम रैंकिंग में शीर्ष रैंकिंग की जो टीम क्वालीफाई नहीं कर सकीं, उन्होंने पेरिस 2024 के लिए अपना टिकट हासिल कर लिया। '' महिलाओं की स्पर्धा में भारत 13वीं रैंकिंग पर काबिज था, उसने पोलैंड (12), स्वीडन (15) और थाईलैंड के साथ पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। पुरुष टीम स्पर्धा में क्रोएशिया (12), भारत (15) और स्लोवेनिया (11) ने भी पेरिस ओलंपिक का टिकट कटाया।

शरत कमल ने सभी को दी बधाई

भारत के अनुभवी खिलाड़ी शरत कमल ने ट्वीट किया, ''आखिरकार भारत ने ओलंपिक के लिए टीम स्पर्धा के लिए क्वालीफाई कर लिया। मैं लंबे समय से यह देखना चाहता था। ओलंपिक में पांचवीं बार खेलने के बावजूद यह सच में बहुत विशेष है।

महिला टीम को भी बधाई जिन्होंने भी ऐतिहासिक कोटा हासिल कर लिया। भारतीय टेबल टेनिस इतिहास में यह शानदार उपलब्धि है क्योंकि यह पहली बार होगा जब देश 2008 बीजिंग ओलंपिक में शामिल किये जाने के बाद टीम स्पर्धा में हिस्सा लेगा।

दोनों भारतीय टीम आईटीटीएफ विश्व टीम चैम्पियनशिप के प्री क्वार्टरफाइनल में हारने के कारण ओलंपिक टिकट कटाने से चूक गयी थीं। पुरुष टीम का दक्षिण कोरिया से 0-3 से और महिला टीम को चीनी ताइपे से 1-3 से हार मिली थी।

आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर महिला डब्ल्यू-35 टेनिस टूर्नामेंट

इंदौर में 15 देशों की टाप महिला खिलाड़ी दिखाएंगी जौहर

इंदौर। भारतीय टेनिस महासंघ के तत्वाधान में मध्यप्रदेश टेनिस संघ द्वारा आयोजित आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस टूर डब्ल्यू-35 डॉलर 25000 इनामी राशि महिला टेनिस टूर्नामेंट 10 मार्च से इंदौर टेनिस क्लब में खेला जाएगा जिसमें 15 देशों की टॉप महिला खिलाड़ी शिरकत करेंगी। यह टूर्नामेंट इंदौर में पहली बार आयोजित होगा।

भारतीय टेनिस महासंघ के महासचिव अनिल धूपर ने बताया कि इंदौर में लगातार अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में एक और भव्य टेनिस टूर्नामेंट इंदौर में 11 मार्च से 17 मार्च तक खेला जाएगा। इसके क्वालीफाइंग राउंड के मुकाबले 10 व 11 मार्च को खेले जाएंगे। इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में विदेशों के साथ देश की भी टाप महिला खिलाड़ी अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगी। इस टूर्नामेंट में भारत के अलावा लातवीया, जापान, उज्बेकिस्तान, स्लोवाकिया, रोमानिया, चाइनीज़ ताईपे, स्लोवेनिया, थाईलेण्ड, कोरिया, रूस, नेपाल, अमेरिका स्वीडन की महिला खिलाड़ी इंदौरी जमीं पर अपना जौहर दिखाएंगी। टूर्नामेंट डायरेक्टर अर्जुन धूपर ने बताया कि इंदौर में यह महिलाओं के लिए इस वर्ष में दूसरा बड़ा टूर्नामेन्ट का आयोजन होने जा रहा है। इससे पहले महिलाओं का 40 हजार डॉलर इनामी राशि वाला टूर्नामेंट खेला गया था। इस टूर्नामेंट की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है।

रणजी ट्रॉफी में बवाल

कोच ने कप्तान पर फोड़ा हार का ठीकरा, आमने-सामने थे मुंबई-तमिलनाडु

मुंबई, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में मुंबई के हाथों मिली करारी हार के बाद तमिलनाडु टीम में अफरा-तफरी का माहौल है। टीम का माहौल पूरी तरह बिगड़ चुका है। एक-दूसरे पर हार का ठीकरा फोड़ा जा रहा है। तमिलनाडु के कोच सुलक्षण कुलकर्णी ने हार के पीछे अजीबोगरीब तर्क देते हुए टॉस को दोषी ठहराया है। तमिलनाडु के कोच की माने तो कप्तान आर. साई किशोर ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया जबकि हमें गेंदबाजी करनी चाहिए थी। इस बयान के बाद अब क्रिकेट जगत में भूचाल आ गया है। टीम इंडिया के सीनियर विकेटकीपर और तमिलनाडु के खिलाड़ी दिनेश कार्तिक ने कोच सुलक्षण कुलकर्णी के बयान को गैरजिम्मेदाराना और बेकार बताया।

चलिए जानते हैं आखिर क्या है पूरा मामला?

तमिलनाडु के कोच सुलक्षण कुलकर्णी का मानना है कि टीम रणजी ट्रॉफी 2023-24 का सेमीफाइनल शुरू होते ही हार गई थी। कप्तान आर. साई किशोर के गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों के बावजूद पहले बल्लेबाजी करने के फैसले की कोच कुलकर्णी ने आलोचना की है। उन्होंने कहा कि वे विपक्षी टीम के पहले गेंदबाजी करने के लिए मानसिक रूप से तैयार थे और कप्तान के फैसले ने उन्हें चौंका दिया। कुलकर्णी ने बताया कि उन्हें बल्लेबाजी के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों की जानकारी थी और उन्होंने सुझाव दिया था कि पहले गेंदबाजी करनी चाहिए।

अंशुल गर्ग के अगले सिंगल वे पगला में

बिग बॉस 17 की ईशा मालविया आयेंगी नज़र

अंशुल गर्ग पिछले कुछ समय से अपने लेबल देसी म्यूजिक फैक्ट्री के तहत इंडस्ट्री को संगीत रत्न दे रहे हैं। इस साल पहले ही, निर्माता ने बिग बॉस 17 के प्रतियोगियों के साथ दो चार्टबस्टर दिए हैं- अभिषेक कुमार और मन्नारा चोपड़ा के साथ सांवरे, और मुनव्वर फारुकी के साथ हल्की हल्की सी। और अब, अंशुल सीज़न के एक और प्रतियोगी के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, जैसा कि उन्होंने खुलासा किया है उनके अगले सिंगल वे पगला का फर्स्ट लुक, जिसमें ईशा मालविया नजर आ रही हैं। यह गाना बिग बॉस 17 के खत्म होने के बाद ईशा का पहला प्रोजेक्ट है और उडारियां अभिनेत्री वे पगला के फर्स्ट लुक पोस्टर में गायक और सह-कलाकार प्रीतिंदर के साथ मनमोहक लग रही हैं। गाना प्यार की मासूमियत को सामने लाता है और पोस्टर में ईशा और प्रीतिंदर की प्यारी केमिस्ट्री देखने लायक है। गाने के लिए ईशा के साथ सहयोग करने के बारे में बात करते हुए, अंशुल ने कहते हैं कि, डीएमएफ में, बिग बॉस के प्रतियोगियों के साथ हमारा ट्रैक रिकॉर्ड अभूतपूर्व रहा है, और मुझे यकीन है कि वे पगला इस ट्रेंड को कंटिन्यू रखेगा। ईशा ने बिग बॉस 17 में अपने आकर्षण से दर्शकों का दिल जीता और इस गाने में वह खूबसूरती से सामने आई हैं। उनके साथ सहयोग करने का अनुभव बहुत ही अद्भुत था। प्रीतिंदर के साथ ईशा की केमिस्ट्री भी बहुत शानदार है और इस गाने में उनकी जादुई आवाज निश्चित रूप से दर्शकों को प्यार की मासूमियत का एहसास कराएगी। इस गाने का टीजर गुरुवार को रिलीज़ किया जाएगा। वे पगला में ईशा के साथ प्रीतिंदर हैं, जिन्होंने गाना भी गाया है। संगीत रजत नागपाल ने दिया है और गीत परम ने लिखे हैं। सत्ती ढिल्लों ने संगीत वीडियो का निर्देशन किया है और इसे अंशुल गर्ग ने अपने लेबल देसी म्यूजिक फैक्ट्री के तहत प्रस्तुत किया है।

माँ बनने वाली हैं कैटरीना

कुछ समय पूर्व ही दीपिका पादुकोण ने अपने प्रशंसकों को स्वयं माँ बनने का समाचार दिया था। इन समाचार को मीडिया ने चर्चाओं में ला दिया था। अब ऐसा ही कुछ कैटरीना कैफ के साथ हो रहा है। सिने उद्योग के मशहूर कपल में शुमार रहे विक्की कौशल और कैटरीना कैफ को लेकर भी कुछ ऐसे ही संकेत मिलने लगे हैं। कहा जा रहा है कि दोनों के घर जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। ये अटकलें उनकी कुछ लेटेस्ट तस्वीरों के सामने आने के बाद लग रही हैं, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। इन फोटो में कैटरीना ने एयरपोर्ट जाते वक्त खुद को दुपट्टे से ढका हुआ था। उन्होंने इस दौरान पिंक अनारकली ड्रेस पहनी थी। कैटरीना ने आंखों पर ब्लैक गॉगल्स लगा रखे थे। इस ट्रेडिशनल लुक में वह बेहद क्लासी लग रही थीं। कैटरीना का आउटफिट देख लोग उनसे गुडन्यूज की उम्मीदें पालने लगे हैं। कैटरीना ने ढीले आउटफिट के साथ जूतियां पहनी थीं। कैटरीना पिछले दिनों भी ढीले आउटफिट में नजर आई थीं। तस्वीरें देखने के बाद लोग खूब कमेंट कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, मुझे लगता है कि कैटरीना प्रेग्नेंट हैं। वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, ये बार-बार दुपट्टा क्यों सही कर रही हैं, प्रेग्नेंट हैं क्या कैटरीना और विक्की ने साल 2021 में राजस्थान के रणथंभोर में शादी रचाई थी। दोनों ने परिवार और खास दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए थे। कैटरीना की प्रेग्नेंसी को लेकर पहले भी कई दफा कयास लगाए जा चुके हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में अपने 19 साल पूरे होने का जश्न मना रही हैं तमन्ना भाटिया

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री में अपने 19 साल पूरे कर लिए हैं। एक्ट्रेस ने अपनी लगन और मेहनत से मनोरंजन जगत में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। तमन्ना भाटिया की पहली फिल्म चांद सा रोशन चेहरा 2005 में रिलीज हुई थी। हालांकि, तमन्ना ने कहा कि यह तो बस शुरुआत है। इंस्टाग्राम स्टोरीज पर तमन्ना ने अपने फैंस के पोस्ट दोबारा पोस्ट किए। जिसमें उनके फैंस ने उन्हें फिल्म इंडस्ट्री में 19 साल पूरे करने पर बधाई दी थी। एक्ट्रेस ने इसके लिए अपने सभी चाहने वालों को धन्यवाद दिया। एक पोस्ट में तमन्ना ने लिखा, अभी तो यह केवल शुरुआत है। रविवार रात तमन्ना की दोस्त काजल अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर बधाई देने के लिए एक्स पर कहा, फिल्म जगत में लगभग 2 दशक पूरे होने पर प्यारी तमन्ना भाटिया को बहुत-बहुत बधाई। तमन्ना की चांद सा रोशन चेहरा 2005 में रिलीज हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

अवमानना कार्यवाही के खिलाफ बीबीसी की याचिका पर सुनवाई करेगी सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को कर्नाटक हाई कोर्ट में शुरू की गई अवमानना कार्यवाही को चुनौती देने वाली बीबीसी की दायर याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हो गई। कर्नाटक हाई कोर्ट ने प्रतिबंधात्मक आदेश के बावजूद वाइल्ड कर्नाटक डॉक्यूमेंट्री दिखाने पर बीबीसी के ओटीटी प्लेटफार्म नेटफ्लिक्स के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की थी। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की पीठ ने बीबीसी की याचिका पर नोटिस जारी कर नेटफ्लिक्स द्वारा दायर इसी प्रकार की याचिका के साथ संबद्ध कर दिया। शीर्ष अदालत ने गत 25 जनवरी को डॉक्यूमेंटी दिखाने पर नेटफ्लिक्स पर कर्नाटक हाई कोर्ट द्वारा शुरू की गई अवमानना कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। इससे पहले हाई कोर्ट ने बीबीसी, डिस्कवरी और नेटफ्लिक्स समेत विभिन्न प्रसारकों के खिलाफ नागरिक अवमानना के आरोप तय किए थे। इसमें फिल्म निर्माताओं व प्रसारकों पर डॉक्यूमेंट्री की रिलीज और प्रसारण पर 2021 के अंतरिम आदेश का पालन करने का आरोप लगाया गया था। हाई कोर्ट ने 29 जून 2021 को रविंद्र एन. रेडकर और उल्लाश कुमार की याचिका पर आदेश पारित किया था।

बांग्लादेश में कर्ज, झूठ बोलकर भारतीय युवती से शादी

नई दिल्ली, एजेंसी। एक बांग्लादेशी युवक ने पंजाब की लड़की से यह कहकर शादी कर ली कि वह अमेरिका से पीएचडी की पढ़ाई कर रहा है। पत्नी जब उस पर अमेरिका जाने के लिए दबाव डालने लगी तो वह बहाने बनाने लगा। उससे मिलने जब युवती का भाई कोलकाता जाने लगा तो उसने विमान में बम होने का ई-मेल भेजकर उड़ान को रुकवा दिया। पुलिस ने आरोपी नजरुल इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया है। बांग्लादेश में उस पर 50 लाख टका का कर्ज है। इसके चलते वह कोलकाता में छिपा हुआ था। डीसीपी उषा रंगनानी के अनुसार 27 फरवरी को एयरपोर्ट प्रशासन को कोलकाता जा रहे विमान में विस्फोटक होने का मेल मिला था। विमान की छानबीन की गई, लेकिन कुछ संदिग्ध नहीं मिला। एसएचओ विजेन्द्र राणा की देखरेख में इंस्पेक्टर अजय यादव ने जांच की तो पता चला कि मेल कोलकाता स्थित क्लासिक होटल के वाई-फाई से भेजा गया था। उस समय होटल में 40 मेहमान ठहरे हुए थे। इनमें से अधिकांश बांग्लादेशी नागरिक थे। मेहमानों से पूछताछ में पता चला कि नजरुल इस्लाम से मिलने के लिए उसका रिश्तेदार अमरदीप आया था। इस पर नजरुल का मोबाइल जब्त कर उसकी जांच करवाई गई। उसने ही अपने मोबाइल से मेल भेजा था। मेल भेजने के बाद उसने साक्ष्य मिटा दिए थे। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह चाहता था कि इस विमान से आ रहा उसका साला कोलकाता न पहुंचे। इसलिए उसने यह मेल भेजा था। आरोपी ने बताया कि उसने पंजाब के एक निजी विश्वविद्यालय से 2017 में एयरलाइंस, टूरिज्म और हॉस्पिटेलिटी का कोर्स किया था। वहां उसकी दोस्ती युवती से हुई थी। वर्ष 2020 में वह बांग्लादेश चला गया। कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर दोनों में बातचीत शुरु हुई। उसने युवती को झूठ बोला कि वह अमेरिका से पीएचडी कर रहा है। उसके पास अमेरिका का वीजा है। इससे प्रभावित होकर युवती ने अप्रैल 2023 में शादी कर ली।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पीएम मोदी महिलाओं के लिए कर सकते है बड़ी घोषणाएं

नईदिल्ली , एजेंसी। आगामी लोकसभा चुनाव से पहले केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आधी आबादी यानी महिलाओं पर फिर एक बार फोकस बढ़ाने वाली है। दरअसल भाजपा चुनावी हैट्रिक लगाने की कोशिश कर रही है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा के लिए 370 सीटों का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य को पाने के लिए महिला मतदाता भाजपा के लिए एक बड़ा फैक्टर साबित हो सकती हैं। यही वजह है कि पार्टी प्रमुख राज्यों में महिला मतदाताओं पर विशेष ध्यान केंद्रित करने की रणनीति पर काम कर रही है। 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर पीएम मोदी इस संबंध में कुछ बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं।

पार्टी सूत्रों के अनुसार भाजपा बेरोजगारी, महंगाई और कृषि संकट जैसे मुद्दों पर लोगों के एक वर्ग का गुस्सा झेल रही है लेकिन इसको दूर करने के लिए कई प्रमुख राज्यों में महिलाओं के बीच अपना समर्थन आधार बढ़ाने का प्रयास करेगी। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में संदेशखली की घटनाओं पर भाजपा काफी हमलावर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को संदेशखालि में महिलाओं पर अत्याचार को लेकर पश्चिम बंगाल की

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि इस मुद्दे पर पूरा देश गुस्से में है। टीएमसी पर पीएम मोदी के ताजा हमले ने संकेत दिया है कि पार्टी का लक्ष्य बंगाल की महिला मतदाताओं के बीच पहुंच बढ़ाना है ताकि इस बार लोकसभा में अपनी सीटों की संख्या भी बढ़ाई जा सके। भाजपा के तेज विरोध ने टीएमसी को डिफेंस मोड में ला दिया है। यही वजह है कि पार्टी के स्थानीय ताकतवर नेता शेख शाहजहां को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों पर हमले के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

आगामी लोकसभा चुनावों के लिए वस्तुतः बिगुल बजाते हुए मोदी ने बंगाल के लोगों से आग्रह किया कि वे चोट का जवाब वोट से दें। उन्होंने कहा, क्या आप ऐसी पार्टी को माफ करेंगे? क्या आप टीएमसी को माफ करेंगे। हर चोट का जवाब वोट से देना है। सुंदरबन के मुहाने पर स्थित संदेशखालि क्षेत्र टीएमसी नेता शाहजहां शेख और उनके साथियों के खिलाफ यौन शोषण और भूमि हड़पने के आरोपों के कारण एक महीने से अधिक समय से हंगामे और प्रदर्शनों से जूझ रहा है। पुलिस ने 55 दिनों से फरार चल रहे शेख को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया था। मोदी ने कही, संदेशखालि की महिलाओं ने मदद मांगी। और उन्हें क्या मिलता है? मुख्यमंत्री ने उन दोषियों को बचाने के लिए हर संभव कोशिश की। गौरतलब है कि महिला मतदाताओं ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी का पुरजोर समर्थन किया है, जिससे 2021 में तीसरी बार सत्ता में वापसी हुई। गौरतलब है कि पीएम मोदी के 7 मार्च को उत्तर 24 परगना के बारासात में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय बैठक को संबोधित करने की उम्मीद है। केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं की महिला लाभार्थियों के अलावा, संदेशखली की कई महिलाओं के भी इस सम्मेलन में भाग लेने की संभावना है। सूत्रों ने कहा कि पार्टी चुनाव के लिए माहौल तैयार करना चाहती है। भाजपा ने पूरे बंगाल में अपने नेताओं से संदेशखली मुद्दे पर बड़े पैमाने पर प्रचार करने को कहा है। इसके अलावा, महिलाओं के कल्याण और सशक्तिकरण के लिए मोदी सरकार द्वारा की गई पहलों को उजागर करते हुए टीएमसी और अन्य विपक्षी दलों को महिला विरोधी के रूप में पेश करने के लिए भी कहा है। विभिन्न शहरों में भाजपा की महिला कार्यकर्ता इस मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन आयोजित कर रही हैं।

दिल्ली के हर जोन में खोले जाएंगे एक्सीलेंस स्कूल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के हर जोन में स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सीलेंस (एसओएसई) स्थापित किए जाएंगे। वित्त मंत्री आतिशी ने कहा कि एसओएसई दिल्ली का गौरव है। आने वाले समय में सभी जोन में इसके विस्तार की योजना है। इसके लिए 42 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान रखा है। आतिशी ने कहा, बच्चों को विश्व स्तरीय शिक्षा देने के लिए केजरीवाल सरकार ने वर्ष 2021-22 में एसओएसई की शुरुआत की। इसमें स्टेम, ह्यूमैनिटीज, परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट्स और हाई एंड 21 सेंचुरी स्किल के 38 स्कूल दिल्ली में स्थापित किए गए हैं। आईआईटी से ज्यादा आवेदन मिलने का दावा आतिशी ने कहा कि पहले सरकारी स्कूलों में बच्चों को पढ़ाना गरीब परिवार की मजबूरी थी। वहीं, इस साल एसओएसई में छह हजार सीटों पर दाखिले के लिए एक लाख 40 हजार आवेदन आए हैं। दिल्ली में पिछले आठ वर्षों से हर साल हमारे स्कूलों का बोर्ड का परिणाम निजी स्कूलों से बेहतर आ रहा है। इसी का नतीजा है कि पिछले तीन वर्षों में चार लाख से ज्यादा बच्चों ने निजी स्कूलों को छोड़कर दिल्ली सरकार के स्कूलों में दाखिला लिया है। आतिशी ने बताया कि एसओएसई के साथ हमारे तीन और स्पेशलाइज्ड स्कूल हैं। इनमें आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी स्कूल, दिल्ली स्पोर्ट्स स्कूल और दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल शामिल हैं। गर्व की बात है कि आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी स्कूल के 76 में से 32 बच्चों ने यूपीएससी द्वारा आयोजित एनडीए की लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की है। विद्यालयों में स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) को भी मजबूत किया जाएगा। आतिशी ने कहा कि स्कूलों को छोटे कामों के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने न पड़े, इसलिए हमारी सरकार ने स्कूल प्रबंधन समिति के लिए 40 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है। दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल, वर्चुअल शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लेकर आई है। कई बार खराब मौसम के कारण स्कूलों को बंद करना पड़ता है। इसके लिए दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल एक शानदार उपाय के रूप में सामने आए हैं।

दिल्ली में छाए रहेंगे बादल

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में एक बार फिर तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। आज सुबह राष्ट्रीय राजधानी का तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार आज दिल्ली में बादल छाए रहेंगे। इसके अलावा, उत्तर-प्रदेश, बिहार, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में आज से अगले दो दिनों तक बारिश का अनुमान है। बात करें पहाड़ी इलाकों की तो हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में बर्फबारी का भी अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वोत्तर भारत के कई इलाकों में आज बारिश की उम्मीद है। हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में आज हल्की बारिश हो सकती है। वेबसाइट स्काईमेट वेदर ने जानकारी दी है कि आज पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालय क्षेत्र पर असर डालेगा, जिसकी वजह से अगले दो दिनों तक पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में बारिश की संभावना है।

इलेक्टोरल बांड मामले में एसबीआई ने किया सुप्रीम कोर्ट का रुख, आवेदन दाखिल कर मांगा अतिरिक्त समय

नई दिल्ली। स्टेट बैंक आफ इंडिया यानी एसबीआइ ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर इलेक्टोरल बांड की जानकारी चुनाव आयोग को देने के लिए 30 जून तक का समय देने का अनुरोध किया है। सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी को इलेक्टोरल बांड योजना रद करने के फैसले में एसबीआइ को निर्देश दिया था कि वह जारी किए गए इलेक्टोरल बांड की जानकारी छह मार्च तक चुनाव आयोग को दे दे और साथ ही चुनाव आयोग से कहा था कि वह 13 मार्च को जानकारी वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दे। अब एसबीआइ ने सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर इलेक्टोरल बांड की जानकारी देने की समयसीमा बढ़ाने की मांग की है। बैंक ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अर्जी में कहा है कि वह सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने को कृतसंकल्प है लेकिन तय समय के भीतर आदेश के पालन में कुछ व्यावहारिक दिक्कतें आ रही हैं, इसलिए कोर्ट समय बढ़ा दे।

ड्राई आइस जिसे खाते ही मुंह से निकलने लगा खून, बिगड़ी 5 की तबीयत

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के एक नामी रेस्टोरेंट में कल 5 लोगों ने माउथ फ्रेंशनर की जगह ड्राइस आइस खाली जिसके तुरंत बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और उनके मुंह से खून निकलने लगा। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां एक को छोड़कर बाकी 4 आईसीयू में एडमिट है। जानकारी के मुताबिक इनमें से दो की हाल गंभीर बनी हुई है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर ये ड्राई आइस क्या है और क्या वाकई ये इतनी खतरनाक है कि इसे खाने से खून की उल्टी शुरू हो गई?

डॉक्टर्स की मानें तो ड्राई आइस जितनी उपयोगी है उतनी खतरनाक भी। दरअसल ये कार्बन डाई ऑक्साइड का ही सॉलिड फॉर्म होता है जिसे कूलिंग एजेंट के रूप में काम में लिया जाता है। अब मेडिकल से लेकर फूड इंडस्ट्री तक, हर जगह इसका इस्तेमाल हो रहा है। जानकारी के मुताबिक ड्राई आइस का इस्तेमाल कम टेंपरेटचर पर खाने की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए कियया जाता है। इसका तापमान -78 डिग्री

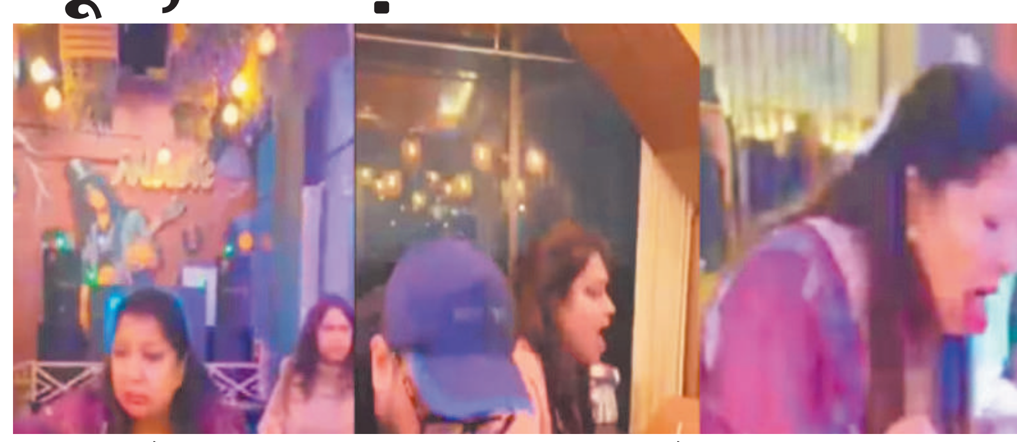

सेल्सियस होता है जो सामान्य बर्फ के टुकड़ों से बहुत ठंडा है। । इसलिए इसे कभी भी डायरेक्टर छूने की सलाह नहीं दी जाती।

सामान्य आईस क्यूब पिघलकर जहां पानी बन जाता है तो वहीं ड्राई आइस जब पिघलती है तो सीधा गैस का रूप ले लेता है जिसे कार्बन डाइऑक्साइड पैदा होती है जो खतरनाक साबित हो सकती है। दरअसल ये गैस जब पेट में जाती है तो तेजी से फैलने लगती है जिससे पाचन तंत्र पर असर पड़ता है और ब्लिडींग की समस्या होने लगती है। इसके अलावा इसका तापमान इतना ठंडा होता है कि पेट और गले में मौजूद गर्म ऊतकों के संपर्क में आने से जलन पेदा होती है और तबीयत बिगड़ने लगती है। इससे सेल डैमेज होने का खतरा बढ़ता है और खून की उल्टियां भी होती हैं।

जानकारी के मुताबिक जब लोगों का एक ग्रुप कैफे में खाना खाने गया तो खाने के बाद वेटर ने उन्हें माउथ फ्रेंशनर लाकर दिया। उनमें से एक को छोड़कर बाकी पांच लोगों ने माउथ फ्रेशनर खा लिया। उन लोगों को थोड़ी देर बाद ही परेशानी होने लगी और वो लोग खून की उल्टियां करने लगे। आखिर में जिन्होंने माउथ फ्रेशनर नहीं खाया था वो ही बाकियों को अस्पताल ले गए। वहीं पता चला कि इन लोगों ने जो खाया था वो माउथ फ्रेशनर नहीं बल्कि ड्राइ आइस थी।

डोनाल्ड ट्रंप अब लड़ सकेंगे अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव, सुप्रीम कोर्ट ने हटाया प्रतिबंध

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने कैपिटल (संसद परिसर) दंगे के लिए पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को जवाबदेह ठहराने संबंधी प्रयासों को खारिज कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव लड़ सकेंगे। इससे पहले एक अदालत ने ट्रंप को कोलोराडो के रिपब्लिकन प्राथमिक मतदान से अयोग्य घोषित कर दिया था।

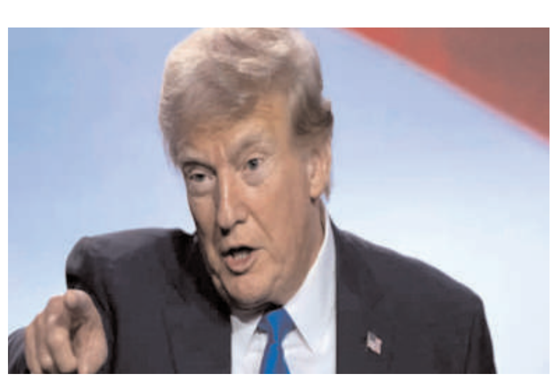

अमेरिकी उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश ने सर्वसम्मति से निचली अदालत के उस फैसले को पलट दिया कि ट्रंप को छह जनवरी, 2021, कैपिटल दंगा मामले में उनकी कथित भूमिका के कारण 14 वें संशोधन के तहत सार्वजनिक पद धारण करने से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। कोलोराडो के सर्वोच्च न्यायालय ने अपनी तरह के पहले फैसले में कहा था कि प्रावधान, धारा 3, ट्रंप पर लागू की जा सकती है। इससे पहले किसी भी अदालत ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पर धारा 3 लागू नहीं की थी। कोलोराडो, मेन और इलिनोइस में ट्रंप का नाम मतपत्रों से बाहर कर दिया गया था, लेकिन तीनों फैसलों पर उच्चतम न्यायालय का फैसला आना था। ट्रंप के वकीलों ने दलील दी कि छह जनवरी का दंगा विद्रोह नहीं था और अगर ऐसा था भी, तो ट्रंप दंगाइयों में शामिल नहीं हुए थे।

मालदीव को मुफ्त सैन्य सहायता देगा चीन

माले, एजेंसी। चीन ने सोमवार को मालदीव के साथ रक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर समझौता किया है। इसके तहत चीन मालदीव के साथ द्विपक्षीय रिश्तों को और बेहतर करने के लिए उसे मुफ्त सैन्य सहायता देगा। यह समझौता ऐसे समय हुआ है जब मालदीव की मुइज्जू सरकार देश से भारतीय सैनिकों को निकाल रही है। मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद माउमून ने चीन के अंतरराष्ट्रीय सैन्य सहयोग डिपार्टमेंट के अधिकारी मेजर जनरल झांग बाओकुन से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा समझौते पर साइन हुए। हालांकि, इस डील से जुड़ी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस बीच मालदीव के मीडिया के मुताबिक, चीन ने मालदीव को 12 ईको-फ्रेंडली एंबुलेंस भी गिफ्ट की हैं। इससे पहले 29 मई को मालदीव में भारतीय सैनिकों को रिप्लेन करने के लिए टेक्निकल कर्मियों का पहला बैच मालदीव पहुंच गया था। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर

जायसवाल ने इसकी जानकारी दी थी। भारत और मालदीव के बीच हुए समझौते के तहत भारतीय सैनिक 10 मई तक अपने देश लौट जाएंगे मालदीव की रेस्क्यू यूनिट में इन सैनिकों की जगह भारत का ही टेक्निकल स्टाफ ऑपरेट करेगा। इस समझौते का पहला चरण 10 मार्च तक पूरा हो जाएगा। मालदीव में करीब 88 भारतीय सैनिक हैं। ये दो हेलिकॉप्टर और एक एयरक्राफ्ट का ऑपरेशन संभालते हैं। आमतौर पर इनका इस्तेमाल रेस्क्यू या सरकारी कामों में किया जाता है। मालदीव में इंडियन हेलिकॉप्टर और एयरक्राफ्ट मानवीय सहायता और मेडिकल इमरजेंसी में वहां के लोगों की मदद करते रहें। इन ऑपरेशन को संभालने के लिए ही टेक्निकल स्टाफ भेजा गया है। 2023 के राष्ट्रपति चुनाव में मोहम्मद सोलिह के खिलाफ मोहम्मद मुइज्जू ने दावेदारी पेश की थी। उन्होंने मालदीव में कथित भारतीय सेना की उपस्थिति के खिलाफ इंडिया आउट का नारा दिया था।

पाकिस्तान में अहमदिया मुस्लिम समुदाय को नहीं मस्जिद जाने की इजाजत

अपने ही देश में पहचान पाने में नाकाम है अहमदिया

इस्लामाबाद , एजेंसी। साल 1947 में भारत को दो हिस्से में बांटने का फैसला लिया गया, जिसमें पहला देश तो भारत ही रहा और धर्म के आधार पर हुए बंटवारे के बाद मुस्लिमों के लिए पाकिस्तान बना। दरअसल, पाकिस्तान को इसी सोच के साथ बनाया गया था कि यहां पर मुस्लिम धर्म के लोग निवास करेंगे।

हालांकि, इसके बाद भी वहां कुछ मुस्लिम समुदाय के साथ बेहद खराब बर्ताव किया जाता है। अपने ही देश में उन्हें कई तरह के अपमान और तिरस्कार सहने पड़ते हैं। आज के समय में भी कई लोग वहां की नागरिकता के लिए परेशान है और काफी जद्दोजहद के बाद भी कोई खास परिणाम नहीं निकला।

पाकिस्तान मुस्लिम-बहुल देश है, जहां अलग-अलग वर्गों और समुदाय के लोग रहते हैं। वहीं, इस बीच एक ऐसा समुदाय है, जो आज भी खुद को मुस्लिम बताते हैं, लेकिन पाकिस्तान में उन्हें अल्पसंख्यक माना जाता है और उन्हें मुस्लिम नहीं माना जाता है। पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के लोग आज भी अपनी पहचान के लिए परेशान है, लेकिन कोई उनकी सुनने को तैयार नहीं है।

आए दिन अहमदिया समुदाय के मुस्लिमों को वहां पर शिकार बनाया जाता है, उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। यहां तक कि उनके प्रार्थना स्थल और कब्रिस्तान में भी तोड़-फोड़ की जाती है। अहमदिया लोगों का कहना है कि वह भी

इस्लाम को मानते हैं और कुरान में विश्वास करते हैं, लेकिन फिर भी नहीं कोई समान अधिकार नहीं है, बल्कि उनके साथ बहुत ही खराब बर्ताव किया जाता है। बुरे बर्ताव और परेशान करने से भी मन नहीं भरता है, तो इन लोगों को ईशनिंदा के मामलों में लपेटा जाता है और कड़ी सजा- प्रताड़ना दी जाती है। इस तरह के व्यवहार से परेशान होकर अहमदिया मुस्लिम समुदाय के लोग पाकिस्तान छोड़कर दूसरे देशों में रहने को मजबूर हो रहे हैं। पाकिस्तान के संविधान में अहमदिया मुसलमानों को मुस्लिम माना ही नहीं गया है, बल्कि यह खुद को मुस्लिम मानते हैं। उन्हें अल्पसंख्यक गैर-मुस्लिम धार्मिक समुदाय का दर्जा दिया गया है और पाकिस्तान ने संविधान संशोधन के जरिए इन्हें गैर-मुस्लिम घोषित किया था। यहां तक कि इन्हें मस्जिदों में भी जाने की मनाही है। यहां तक कि वे अपने प्रार्थना स्थलों पर मीनार नहीं बना सकते पाकिस्तान में अहमदिया समुदाय के लगभग 5 लाख लोग रहते हैं। अहमदिया मुस्लिम समुदाय की शुरुआत साल 1889 में भारत के पंजाब के लुधियाना में अहमदी आंदोलन के साथ हुई। मिर्जा गुलाम अहमद इस समुदाय के संस्थापक थे, जिनका कहना था कि वह पैगंबर मोहम्मद के अनुयायी है और अल्लाह ने उन्हें शांति-अमन, खून-खराबा रोकने के लिए मसीहा के तौर पर चुना है।

कमला हैरिस ने इजरायली वॉर कैबिनेट सदस्य से कहा युद्धविराम की कार्रवाई में तेजी लाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की वाइस प्रेसिडेंट कमला हैरिस ने इजराइल के कैबिनेट सदस्यों से मुलाकात कर सीजफाइयर की कार्रवाई में तेजी लाने को कहा है। उन्होंने फिलिस्तीनी नागरिकों को सभी प्रकार की मानवीय सहायता सुनिश्चित किए जाने का भी आग्रह किया। इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री और उप-प्रधानमंत्री बेनी गैंट्ज़ के साथ हैरिस की मुलाकात सोमवार को हुई जिसमें उन्होंने इजरायल और हमास के बीच तत्काल युद्धविराम के लिए आह्वान किया। व्हाइट हाउस द्वारा जारी बैठक के एक रीडआउट में कहा गया है, उपराष्ट्रपति ने बंधक समझौते को हासिल करने की तात्कालिकता पर चर्चा की और बंधक वार्ता के लिए इज़राइल के दृष्टिकोण का स्वागत किया। उन्होंने कहा, उन्होंने हमास से शर्तों को स्वीकार करने का आह्वान किया, जिसके तहत बंधकों की रिहाई के बाद तत्काल छह सप्ताह का युद्धविराम होगा। रीडआउट में कहा गया है कि हैरिस ने गाजा में मानवीय स्थितियों और उत्तरी गाजा में एक सहायता काफिले के आसपास हाल ही में हुई भीषण त्रासदी के बारे में अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार, आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।